हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, रविवार, 26 अक्तूबर 2025 | अंक 16/ वर्ष 7 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक
क्या डायबिटीज से परेशान हो ?
डायबेटीज चेकअप करके
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक
द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।
तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।
नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन 9112079000 / 8605245080
आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

बस के कांच तोड़कर यात्रियों को निकाला

इंदौर जा रही एसी बस में आग लगी: अशोकनगर में तेजी से उठीं लपटें

इंदौर.

अशोकनगर जिले में शनिवार रात एक भीषण हादसा हो गया। इंदौर जा रही एक यात्री बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। घटना ईसागढ़ रोड पर बमनावर गांव के पास रात करीब 8 बजे की है। बस बालाजी ट्रैवल्स की थी और उसमें इंदौर जाने वाले यात्री सवार थे। आग लगते ही बस में अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार एक पुलिसकर्मी और ड्राइवर ने कांच तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला। पास ही मौजूद लोग भी मदद के लिए दौड़े।

फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही ईसागढ़ और अशोकनगर पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल की एक गाड़ी ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन

पानी खत्म होने के बाद भी लपटों पर काबू नहीं पाया जा सका।

इसके बाद दूसरी फायर ब्रिगेड बुलाई गई। बस स्टाफ ने बताया कि बस पिछोर से चलकर ईसागढ़ और अशोकनगर के रास्ते इंदौर जा रही थी और लगभग सभी सीटें भरी हुई थीं। स्टाफ का कहना है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया। बस के अंदर जाकर जांच भी की गई। कदवाया थाने के हेड कॉन्सटेबल अरविंद सिंह रघुवंशी इसी बस में सवार थे।

उन्होंने बताया कि वह कदवाया से डाक लेकर अशोकनगर जा रहे थे। जैसे ही बमनाबर गांव के पास पहुंचे तो अचानक से बस के अगले हिस्से अल्टीनेटर में आग लग गई। देखा तो धुआं निकलने लगा था आग की लपटें बढ़ती जा रही थी। तत्काल ही बस में सवार सभी यात्रियों से बाहर निकलने को कहा। हालांकि गेट से एक साथ इतने यात्री बाहर नहीं निकाल सकते थे। उन्होंने बताया कि मैंने और ड्राइवर दोनों ने बस के सभी कांच तोड़ दिए और एक-एक कर सभी को बाहर निकाला। इसके बाद एक बार अंदर जाकर चेक किया कि कोई रहे तो नहीं गया। अंदर कोई भी व्यक्ति नहीं था। यात्री बाहर निकले ही थे के इतने में बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। लगभग 10 मिनट में पूरी बस में आग लग गई।

यात्री बोले- आग लगने से बदबू आ रही थी

सिलावन खुर्द गांव के रहने वाले हेमंत लोधी ने बताया कि बस में कुछ देर पहले से बदबू आ रही थी। ऐसा लग रहा था कि कुछ जल रहा हो। बस में काफी यात्री भरे हुए थे जिसमें सीटों के अलावा कुछ बीच में भी खड़े थे। राजू लोधी ने बताया कि बस में कुछ देर पहले से आग लगी थी ड्राइवर ने ध्यान नहीं दिया। एक लड़के ने जाकर ड्राइवर को कहा कि इसमें आग लग रही है बदबू आ रही है। इसके बाद ड्राइवर ने उतार कर देखा बस के अगले हिस्से में आग लगी हुई थी बस में आग बुझाने के लिए कोई भी अग्निशमन यंत्र नहीं था।

10 पूर्व मंत्री-विधायक समेत 11 नेता पार्टी से निष्कासित

पटना.

प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि इन नेताओं ने पार्टी की विचारधारा, अनुशासन और संगठनात्मक आचरण के खिलाफ जाकर कार्य किया है, जिसके चलते इन्हें प्राथमिक सदस्यता से निलंबित करते हुए निष्कासित किया जाता है. बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जनता दल (यूनाइटेड) ने संगठन के भीतर बगावत को लेकर सख्त कदम उठाया है. पार्टी ने निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ रहे अपने 11 बागी नेताओं को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है. प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि इन नेताओं ने पार्टी की विचारधारा, अनुशासन और संगठनात्मक आचरण के खिलाफ जाकर कार्य किया है, जिसके चलते इन्हें प्राथमिक सदस्यता से निलंबित करते हुए निष्कासित किया जाता है. बता दें कि जेडीयू बिहार में कुल 101 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें पहले चरण में 57 और दूसरे चरण की 44 सीट पर किस्मत आजमा रही है. यही नहीं, जेडीयू के 2020 में जीते 43 विधायकों में से 23 विधायक यानी आधे से ज्यादा पहले चरण वाली सीटों से जीतकर आए थे. निष्कासित नेताओं में पूर्व मंत्री शैलेश कुमार (जमालपुर, मुंगेर), पूर्व विधायक संजय प्रसाद (चकाई, जमुई), पूर्व एमएलसी श्याम बहादुर सिंह (बड़हरिया, सीवान), रणविजय सिंह (बड़हरा, भोजपुर), सुदर्शन कुमार (बरबीघा, शेखपुरा), अमर कुमार सिंह (साहेबपुर कमाल, बेगूसराय), आसमा परवीन (महुआ, वैशाली), लव कुमार (नवीनगर, औरंगाबाद), आशा सुमन (कदवा, कटिहार), दिव्यांशु भारद्वाज (मोतिहारी, पूर्वी चंपारण) और विवेक शुक्ला (जीरादेई, सीवान) शामिल हैं. जेडीयू ने कहा कि इन सभी नेताओं ने पार्टी प्रत्याशियों के खिलाफ निर्दलीय या अन्य रूप से मैदान में उतरकर संगठन की छवि को नुकसान पहुंचाया है. पार्टी ने स्पष्ट किया कि ऐसे किसी भी बागी रुख को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पहले चरण की जिन 121 सीटों पर मतदान होना है, उनमें 57 सीटों पर जेडीयू चुनाव लड़ रही है. जेडीयू की पहले चरण की 36 सीटों पर आरजेडी से सीधी लड़ाई है और 13 सीट पर कांग्रेस से मुकाबला है. इसके अलावा सात सीट पर जेडीयू की लड़ाई सीपीआई माले से है और दो सीटों पर मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी के साथ फाइट है. वहीं, 23 सीट पर आरजेडी और बीजेपी के बीच मुकाबला है तो कांग्रेस और बीजेपी के बीच पहले चरण में सिर्फ 13 सीटों पर सीधी लड़ाई है. चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) की 10 सीटों पर आरजेडी से सीधा मुकाबला करना पड़ रहा है तो भाकपा-माले पांच सीट पर बीजेपी से दो-दो हाथ करेगी. मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी चार सीट पर बीजेपी के उम्मीदवार से मुकाबला कर रही है, तो उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम के दोनों उम्मीदवारों का मुकाबला आरजेडी प्रत्याशी से है.

25 लाख दीयों से जगमगाएगी काशी...

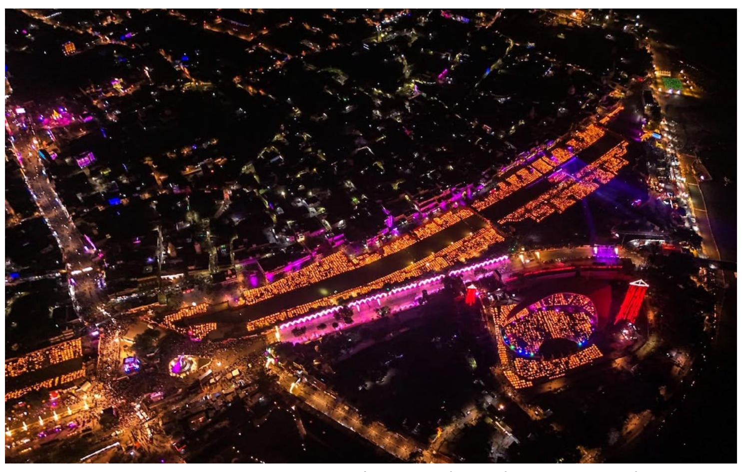

काशी.

देव दीपावली 2025 पर काशी के घाट 25 लाख दीयों की रोशनी से जगमगाएंगे. 3 से 5 नवंबर तक चेत सिंह घाट और गंगा द्वार पर 3D लेजर और फायर क्रैकर्स शो होगा. 10 मिनट के कोरियोग्राफ्ड आतिशबाज़ी और 25 मिनट की प्रोजेक्शन मैपिंग श्रद्धालुओं को अद्भुत अनुभव देंगी. वहीं, गंगा महोत्सव 1 से 4 नवंबर तक आयोजित होगा. उत्तर प्रदेश के वाराणसी में भव्य दीपोत्सव के बाद अब महादेव की नगरी काशी देव दीपावली के स्वागत में रोशनी से नहा उठेगी. गंगा के अर्धचंद्राकार घाटों पर इस बार करीब 25 लाख दीये जलाकर अद्भुत दिव्यता का प्रदर्शन किया जाएगा. पूरे आयोजन में परंपरा और तकनीक का अनोखा संगम देखने को मिलेगा.

'देवों की दिवाली' पर गंगा के दोनों तटों से निकलती रोशनी आकाश को आलोकित करेगी. वहीं, 3D लेजर और फायर क्रैकर्स शो इस पावन पर्व को विश्वस्तरीय स्वरूप देंगे. उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि देव दीपावली को यादगार बनाने के लिए 3 से 5 नवंबर तक विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला होगी. इस दौरान चेत सिंह घाट और गंगा द्वार घाट पर अत्याधुनिक 3D प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो का भव्य आयोजन किया जाएगा. उन्होंने कहा, यह शो गंगा, काशी और देव दीपावली की पौराणिक कथा को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए प्रस्तुत करेगा, जिससे श्रद्धालुओं को एक अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त होगा. इस विशेष प्रस्तुति में कुल 25 मिनट का दृश्य अनुभव तैयार किया गया है, जिसमें 17 मिनट प्रोजेक्शन मैपिंग और 8 मिनट का लेजर शो शामिल होगा. घाटों और ऐतिहासिक इमारतों की दीवारों पर भगवान शिव, गंगा, वाराणसी और देव दीपावली के पौराणिक प्रसंगों पर आधारित झांकियां दिखाई जाएंगी. संवाद और संगीत के संयोजन से यह आयोजन श्रद्धा और तकनीक का जीवंत संगम बनेगा.

चंडीगढ़, सतारा और अरुणाचल प्रदेश.. 4 सुसाइड और अधिकारियों पर आरोप

चंडीगढ़. अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में 23 अक्टूबर को एक 19 साल के युवक का शव मिला. लेखी गांव में अपने किराए के घर में 19 साल के गोमचु येकर के शव के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ. नोट में दो वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के नाम लिखे थे. इसमें लंबे समय तक यौन शोषण और उत्पीड़न का आरोप लगाया गया. पुलिस सूत्रों के अनुसार, उनके पिता टैगम येकर ने एफआईआर दर्ज कराई है. इस एफआईआर में आईएएस अधिकारी और पूर्व डिप्टी कमिश्नर तालो पोतों के साथ ही ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यकारी इंजीनियर लिक्वांग लोवांग पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है. येकर ने इसमें दावा किया उन्हें एक पद पर भर्ती करने के बदले इन अधिकारियों ने शोषण किया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें एचआईवी हुआ और उसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया और ब्लैकमेल किया गया. सुसाइड नोट में यह भी दावा किया गया कि दो वरिष्ठ अधिकारियों ने एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने के कई वादे किए, जो पूरे नहीं हुए. ये वही अधिकारी हैं, जिनके नाम नोट में लिखे गए हैं. मामले की जांच जारी है. हरियाणा में दो आत्महत्याओं ने पुलिस महकमे को हिला कर रख दिया है. पहले IPS वाई पूरन कुमार और फिर ASI संदीप लाठर की खुदकुशी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. इन दोनों मामलों के तार एक ही रिश्वत कांड से जुड़े हुए हैं. 6 अक्टूबर को रोहतक में ASI संदीप लाठर ने ही IPS वाई पूरन कुमार के गनर सुशील को ढाई लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था. पूछताछ में गनर सुशील ने कबूला कि वह यह रिश्वत IG पूरन कुमार के कहने पर एक शराब कारोबारी से ले रहा था.शराब कारोबारी को एक गैंगस्टर ने धमकाया था, जिसके बाद उसने IG पूरन कुमार से मदद मांगी थी. गनर सुशील के इस कबूलनामे की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई थी. रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजरानिया ने बयान दिया था.

लेडी डॉक्टर की आत्महत्या का मामला:

> पुलिस ने आरोपी सब-इंस्पेक्टर को किया गिरफ्तार

सतारा. सतारा में लेडी डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है. वो सुसाइड के बाद से ही फरार था. पुलिस उसकी उसी समय से तलाश कर रही थी. पुलिस ने दूसरे आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है. वो सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और मुंबई में जॉब करता है. क्या है मामला, आपको बता दें कि सतारा लेडी डॉक्टर ने 23 अक्टूबर की रात एक होटल के कमरे में सुसाइड कर लिया. उनकी हथेली पर कुछ नाम लिखे मिले. पुलिस ने बताया कि 'सुसाइड नोट' में महिला चिकित्सक ने लिखा कि उपनिरीक्षक पर तैनात पुलिस कर्मी गोपाल बदाने ने उसके साथ 4 बार बलात्कार किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया. मामला लेडी डॉक्टर का था तो पुलिस भी सतर्क हो गई. प्रशांत को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया. एमपी का भी जिक्र एसपी दोशी ने बताया कि सतारा पुलिस ने बदाने और बनकर के खिलाफ बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है. अभी जांच चल ही रही थी कि लेडी डॉक्टर का एक लेटर मिल गया. लेडी डॉक्टर द्वारा लिखे गए चार पेज के लेटर में एक सांसद (MP) और उनके निजी सचिव (PA) का उल्लेख है. हालांकि, सांसद और उसके सचिव का नाम नहीं लिखा है. पता चला कि पुलिस वाले डॉक्टर पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदलने का आरोप बना रहे थे.

तो खत्म होने की तरफ बढ़ रहा रूस-यूक्रेन युद्ध?

वॉशिंगटन.

रूस, यूक्रेन युद्ध के 'निर्णायक समाधान' का लक्ष्य तय करके आगे बढ़ रहा है और उसे सिर्फ युद्धविराम नहीं चाहिए, यह कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी और रूस के खास दूत किरील दिमित्रियेव का. शुक्रवार को उन्होंने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में यह बात कही है. इसके साथ ही उएन्ह उन्होंने यह भी इशारा किया है कि रूस, यूक्रेन और अमेरिका अब 'कूटनीतिक समाधान के काफी करीब' हैं. दिमित्रियेव इस समय अमेरिकी अधिकारियों के साथ मीटिंग्स के लिए अमेरिका में हैं. उन्होंने कहा कि इस वार्ता का मकसद स्थायी शांति स्थापित करना है. इससे रूस और यूक्रेन के बीच आगे कोई संघर्ष न हो. उन्होंने कहा, 'रूस वास्तव में सिर्फ संघर्षविराम नहीं चाहता बल्कि इस संघर्ष का अंतिम समाधान चाहता है.' उन्होंने कहा और जोड़ा कि संघर्षविराम अक्सर कम समय के होते हैं. कई लोग इसका इस्तेमाल पुनःसैन्यीकरण और संघर्ष को फिर से शुरू करने के लिए कर सकते हैं.' सीएनएन के अनुसार दिमित्रियेव ने शनिवार को मियामी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव व्हिटकोफ से मुलाकात की है. दिमित्रियेव ने ट्रंप की मध्यस्थता प्रयासों को लेकर उम्मीद बड़ा बयान जताई. उन्होंने कहा कि शांति का सिर्फ एक ही रास्ता है और वह है बातचीत. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बातचीत महत्वपूर्ण है. सिर्फ संवाद के जरिये से ही संघर्षों का समाधान किया जा सकता है. दिमित्रियेव ने प्रतिबंधों को लेकर भी बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा, 'प्रतिबंध कोई बड़ी समस्या नहीं हैं.' साथ ही यह इशारा भी किया रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा था कि रूस दबाव में कार्रवाई नहीं करेगा और पश्चिमी प्रतिबंध सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों को और बढ़ाएंगे. उनका कहना था, 'प्रतिबंध वास्तव में इतनी बड़ी समस्या नहीं हैं. राष्ट्रपति पुतिन ने कल दो बातें कही. उन्होंने कहा कि रूस कभी दबाव में कार्रवाई नहीं करेगा. और दूसरी बात, ये प्रतिबंध केवल वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ाएंगे, अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें बढ़ेंगी और रूस शायद कम तेल बेचते हुए भी अधिक कीमत में बेचेगा.

इसलिए मुझे लगता है कि असली मुद्दा यह है कि वार्ता कैसे जारी रखा जाए, संकट का शांतिपूर्ण समाधान कैसे निकाला जाए. साथ ही असंभव समाधानों को आगे बढ़ाने के बजाय वास्तविक समाधान कैसे लाया जाए.

नॉर्थ कैरोलिना में गोलीबारी

वॉशिंगटन. उत्तरी कैरोलिना के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में सप्ताहांत के दौरान आयोजित एक बड़ी पार्टी में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई. साथ ही कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, शेरिफ ने शनिवार को बताया. रोबेसन काउंटी के शेरिफ बर्निस विल्किंस के कार्यालय की तरफ से बताया गया है कि कुल 13 लोगों को गोली मारी गई है. उन्होंने बताया कि शनिवार तड़के जांच अधिकारी और बाकी अधिकारी मैक्सटन के पास एक काउंटी में स्थित पार्टी स्थल पर मौजूद थे. यह स्थान रैले से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम और साउथ कैरोलिना की सीमा के करीब है. प्रेस रिलीज के अनुसार, 'वर्तमान में समुदाय के लिए कोई खतरा नहीं है क्योंकि यह घटना एक अलग-थलग मामला नजर आती है. विल्किंस के ऑफिस की तरफ से बताया गया है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले 150 से अधिक लोग वहां से भाग गए थे. शनिवार तक मृतकों और घायलों के नाम जारी नहीं किए गए थे और किसी भी गिरफ्तारी की घोषणा नहीं की गई थी. जांच फिलहाल जारी है और जासूस गोलीबारी की घटना की वजहों की जांच करने में जुट गए हैं. साथ ही वो इसके पीछे शामिल लोगों की पहचान करने में जुटे हैं. ऑफिस ने अपील की है कि जिन लोगों के पास इस घटना से जुड़ी कोई जानकारी है या जो घटना स्थल पर मौजूद थे, वे शेरिफ विभाग के जांचकर्ताओं से संपर्क करें. शनिवार को गोलीबारी से जुड़ी विस्तृत जानकारी, जैसे मृतकों या घायलों के नाम, जारी नहीं की गई. अब तक किसी की गिरफ्तारी की घोषणा भी नहीं की गई है.

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने दी धमकी

'अफगान संग शांति समझौता नहीं हुआ तो खुल कर होगी जंग'

इस्लामाबाद.

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शनिवार को इस्तांबुल में शांति वार्ता का दूसरा दौर शुरू हुआ. इस बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ कथित तौर पर आक्रामक बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं. उन्होंने अफगानिस्तान को 'ओपन वॉर' की धमकी दी. पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बातचीत का पहला दौर 18-19 अक्टूबर को दोहा में संपन्न हुआ था, जिसकी मध्यस्थता कतर और तुर्की ने की थी. अफगान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप गृह मंत्री रहमतुल्लाह मुजीब कर रहे हैं. इसमें अफगान गृह मंत्री नूर अहमद

नूर के भाई अनस हक्कानी भी शामिल हैं, जबकि पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व सुरक्षा अधिकारियों का दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कर रहा है. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, जिन्होंने पहले दौर का नेतृत्व किया था, ने सियालकोट में कथित तौर पर दावा किया कि बातचीत के इस नए दौर का नतीजा रविवार तक सामने आ सकता है. पाकिस्तान के डेली टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया, उन्होंने कहा कि अगर बातचीत फेल हो जाती है, तो पाकिस्तान के पास अफगानिस्तान के साथ खुले संघर्ष में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष शांति चाहते दिख रहे हैं. पाकिस्तानी मीडिया ने शनिवार को रिपोर्ट किया कि इस्लामाबाद एक 'थर्ड-पार्टी ओवरसाइट स्ट्रक्चर' भी बनाना चाहता है, जिसकी सह-अध्यक्षता तुर्की और कतर कर सकते हैं, ताकि प्रगति की पुष्टि की जा सके और नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई की जा सके. देश के प्रमुख दैनिक 'डॉन' ने रिपोर्ट किया, आज की बातचीत में पाकिस्तान से उम्मीद है कि वह अफगान पक्ष से प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खतरे को अपने इलाके से खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई करने को कहेगा, जिसके बारे में पाकिस्तान का तर्क है कि वह (टीटीपी) सीमा पार हमले करने के लिए अफगान जमीन का इस्तेमाल करता है. काबुल और इस्लामाबाद के बीच संबंध एक मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्योंकि पिछले कुछ हफ्तों में डूरंड लाइन पर कई झड़पें हुई हैं. अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की 9 अक्टूबर से शुरू हुई नई दिल्ली की एक हफ्ते की यात्रा को पाकिस्तानी सरकार ने काफी संशय से देखा है, और मुत्ताकी की यात्रा के पहले ही दिन काबुल में ड्रोन हमले किए गए थे. 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के महीनों बाद, अफगानिस्तान ने भी जितनी जल्दी हो सके कुनार नदी पर बांध बनाने की अपनी योजनाओं की घोषणा की है, जिससे इस्लामाबाद में बेचैनी बढ़ सकती है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तालिबान के उप सूचना मंत्री मुहाजिर फराही ने कहा कि तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने जल और ऊर्जा मंत्रालय को कुनार नदी पर बांधों का निर्माण जल्द से जल्द शुरू करने और घरेलू कंपनियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन करने और विदेशी कंपनियों का इंतजार न करने का निर्देश दिया है. यह कदम कई दिनों की दुश्मनी के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर होने के बाद उठाया गया है. चित्राल नदी, जिसे अफगानिस्तान में कुनार नदी के नाम से भी जाना जाता है, उत्तरी पाकिस्तान और पूर्वी अफगानिस्तान में 480 किलोमीटर लंबी नदी है. यह पाकिस्तान में गिलगित बाल्टिस्तान और चित्राल की सीमा पर स्थित चियांतर ग्लेशियर से निकलती है. अरंडू में यह अफगानिस्तान में प्रवेश करती है, जहां इसे कुनार नदी कहा जाता है. बाद में यह अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में काबुल नदी में मिल जाती है.

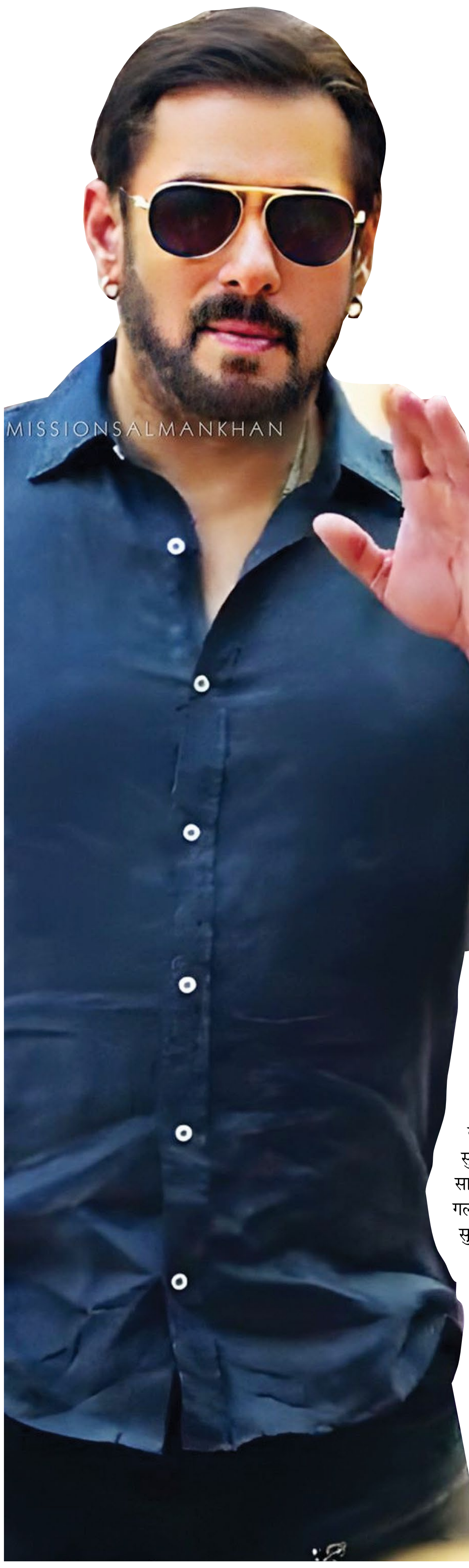

यूपी के छोरे पर फूटा सलमान खान का गुस्सा

कैमरे पर खोली पोल, डांट सुन सहमे मृदुल

लखनऊ. यूपी के नोएडा के रहने वाले फेमस यूट्यूबर मृदुल तिवारी बिग बॉस 19 में काफी फीके पड़ गए हैं. मृदुल को हर हफ्ते सलमान खान गेम में एक्टिव रहने और मुद्दों पर आवाज उठाने की सलाह देते हैं. आधा शो खत्म हो गया, लेकिन मृदुल तिवारी को कुछ समझ नहीं आया. जब तान्या मित्तल ने मृदुल को समझाने की कोशिश की तो उन्होंने तान्या को पूरे घर के सामने विलेन बना दिया. मृदुल की इस हरकत पर सलमान खान का उनपर गुस्सा फूट पड़ा है. शो का प्रोमो वीडियो सामने आया है.

प्रोमो में सलमान खान यूट्यूबर मृदुल को फटकारते हुए दिखाई दे रहे हैं.

दरअसल, हाल ही में तान्या मित्तल, मृदुल को समझाती दिखी थीं कि उन्हें किस तरह अपना गेम बेहतर करना चाहिए, क्योंकि शो खत्म होने में अब करीब 40 दिन बचे हैं. मगर मृदुल ने तान्या की बात को समझने के बजाए घरवालों से कहा कि वो खुद कैमरे में दिखने के लिए उन्हें समझा रही थीं. मृदुल ने बाकी घरवालों से ये भी कहा कि तान्या सबकी बुराई कर रही थीं. मृदुल की बात सुन पूरे घरवाले तान्या के खिलाफ हो गए. तान्या को सभी ने साइडलाइन कर दिया. तान्या के समझाने को घरवालों के सामने गलत तरीके से पेश करने पर सलमान ने मृदुल को खरी-खोटी सुनाई. सलमान ने गुस्से में मृदुल से पूछा- गेम समझ में आ रहा है या नहीं? तान्या ने आपकी भलाई के लिए समझाया था. लेकिन मृदुल ने सभी को अपना नैरेटिव बताया, जिस वजह से आप सभी ने तान्या को साइडलाइन कर दिया. सलमान ने फिर मृदुल से कहा- इन लोगों को पता ही नहीं चला कि गेम आप खेल रहे हो. इसपर मृदुल बोले- तान्या पीठ पीछे तो बुराई कर रही थी. सलमान खान फर चिल्लाते हुए मृदुल से बोले- क्या आपने कभी किसी की बुराई नहीं की? सलमान खान इतना समझाने के बाद मृदुल से इरिटेट होते दिखे. उन्होंने गौरव खन्ना से कहा- गौरव मैं आपको बताऊं मृदुल ने आपके बारे में क्या-क्या बोला है? अब इसको समझ नहीं आ रहा तो इसे थोड़ा समझा दो गेम. फैंस भी सलमान की बातों से सहमत नजर आ रहे हैं. फैंस का कहना है कि तान्या सिर्फ मृदुल की भलाई के लिए ही उन्हें समझा रही थीं. फैंस सलमान की तारीफ करते हुए कह रहे हैं कि इस बार दबंग खान ने सही मुद्दा उठाया है. तान्या को जस्टिस मिलना चाहिए था. फैंस वीकेंड का वार एपिसोड देखने के लिए एक्साइटेड नजर आ रहे हैं.

क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन पर भड़के सलमान खान

बिग बॉस 19 का वीकेंड का वार इस बार कई घरवालों के लिए मुश्किल होने वाला है, क्योंकि सलमान कंटेस्टेंट्स का पूरा रिपोर्ट कार्ड लेकर आए हैं. इस हफ्ते कई घरवालों की क्लास लगने वाली है, जिसमें शो की वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट और क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती चाहर का नाम भी शामिल है.

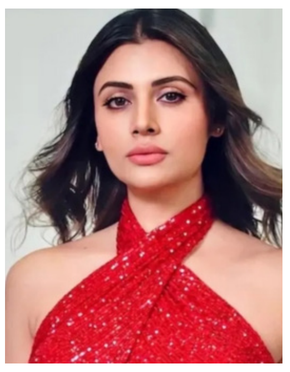

दरअसल, मालती इस हफ्ते शो में तान्या मित्तल के खिलाफ जहर उगलती नजर आईं. उन्होंने तान्या को लेकर कई शॉकिंग खुलासे किए थे. मालती ने कहा था कि तान्या का बाहर एडल्ट टॉय का बिजनेस करती हैं. इसके अलावा मालती ने घरवालों को जमा करके ये भी दावा किया कि तान्या जो इस शो में खुद को दिखा रही हैं, वो उनकी असल पर्सनैलिटी नहीं है. तान्या बाहर की दुनिया में काफी अलग है. वो शॉर्ट ड्रेसेस भी पहनती हैं.मालती का शो में बाहर की चीजों पर बात करना और घरवालों को बाहरी दुनिया की जानकारी देना सलमान खान को पसंद नहीं आया, क्योंकि ये बिग बॉस के नियमों के खिलाफ है. मालती की इस हरकत के लिए सलमान ने उन्हें खूब लताड़ लगाई. सलमान ने मालती पर भड़कते हुए कहा- पंगा तो आप ले लेती हो, जो अच्छी बात है...मगर जैसे ही सामने से रिएक्शन आता है तो आप भाग जाती हो. आपने नया मूव एड किया. आप बाहर की बातों को एक्सपोज कर देती हैं. सोशल मीडिया बहुत निर्दयी होता है...आप सभी पर फोकस होता है. मालती के अलावा इस हफ्ते मृदुल तिवारी, नेहल, बसीर अली और फरहाना को भी सलमान खान की फटकार पड़ने वाली है. शो के प्रोमो देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट हाई हो गई है. वहीं, ऐसी भी चर्चा है कि इस बार शो में डबल एविक्शन होने वाला है. नेहल और बसीर बेघर हो गए हैं. हालांकि, ये जानने के लिए आप भी देखना मत भूलिएगा...आज रात वीकेंड का वार एपिसोड.

माहिष्मती के दिग्गजों की ग्रैंड वापसी बड़े पर्दे पर फिर होगा धमाका!

2015 में एस.एस. राजामौली की सिनेमेटिक एपिक 'बाहुबली' जब रिलीज हुई थी, तो दर्शकों को ये भी आईडिया नहीं था कि इससे उम्मीद क्या रखनी है. ये कहना गलत नहीं होगा कि उस वक्त ये फिल्म पहली बार देखने वाले हम जैसे कई लोगों को यकीन नहीं हुआ था कि ये भारत में बनी फिल्म है. इस फिल्म का सिनेमेटिक एक्सपीरियंस जितना शानदार था, उतने ही शानदार इसके

रिकॉर्ड्स भी थे.

पहले पार्ट का ट्विस्ट देखने के बाद पूरे देश की जुबान पर एक ही सवाल था- 'कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा?' और जब दूसरी फिल्म में इसका जवाब मिला तो जनता ने थिएटर्स में वो जादू देखा जिसने इंडियन सिनेमा को बदल कर रख दिया. अब ये जादू एक बार फिर से बड़े पर्दे पर लौट रहा है. राजामौली ने दोनों फिल्मों को एक फिल्म की शक्ल दी है और नाम दिया है- 'बाहुबली- द एपिक'. जबसे राजामौली ने अनाउंस किया था कि वो दोनों बाहुबली फिल्मों को नई एडिट और क्वालिटी के साथ एक फिल्म में लेकर आने वाले हैं, फैन्स तभी से टकटकी लगाए इसका इंतजार कर रहे थे. 'बाहुबली- द एपिक' का ट्रेलर देखकर लगता है कि इस इंतजार का एक-एक पल वसूल हो गया है. शिवगामी देवी के बेटों अमरेंद्र बाहुबली और भल्लाल देव के पॉलिटिकल संग्राम की कहानी तो हर सिनेमा फैन को जुबानी याद है. मगर जो चीज बदली है, वो है सिनेमेटिक एक्सपीरियंस. 'बाहुबली- द एपिक' में पहले से भी बेहतर हुए हैं विजुअल्स 'बाहुबली- द एपिक' का ट्रेलर देखकर लग रहा है कि राजामौली ने इसे इमेक्स और दूसरे बेहतर फॉर्मेट के लिए नए तरीके से री-मास्टर किया है. 10 सालों में सिनेमा का विजुअल एक्सपीरियंस बहुत बदल चुका है. राजामौली इस बदले हुए अंदाज में अपनी आजमाई हुई कहानी को पहले से भी भव्य अंदाज में दिखाने के लिए तैयार हैं.

'बाहुबली- द बिगिनिंग' और 'बाहुबली- द कन्क्लूजन' दो अलग-अलग फिल्में थीं. जब दोनों को जोड़कर एक फिल्म बनी है, तो क्या रनटाइम भी डबल हुआ है? बिल्कुल नहीं. मेकर्स ऑफिशियली शेयर कर चुके हैं कि 'बाहुबली- द एपिक' का रनटाइम 3 घंटे 44 मिनट है. यानी 'पुष्पा 2' से थोड़ा सा ज्यादा. दोनों 'बाहुबली' फिल्में वैसे तो हर भारतीय सिनेम दर्शक के दिल के बहुत करीब हैं. मगर उस समय कुछ लोगों को दोनों फिल्मों में गाने ज्यादा और कुछ गाने गैर-जरूरी लगे थे. मगर नई एडिट के साथ रनटाइम कम होने का मतलब है कि ये दिक्कत भी राजामौली ने दूर की है.

प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे पारस छाबड़ा लिया आशीर्वाद, मिली सलाह

बिग बॉस 13 फेम पारस छाबड़ा यूट्यूब की दुनिया का बड़ा नाम बन गए हैं. पारस ग्लैमर वर्ल्ड की दुनिया का हिस्सा हैं. लेकिन फिर भी अपने संस्कारों से जुड़े हुए हैं. हाल ही में एक्टर प्रेमानंद महाराज से मिलने वृंदावन पहुंचे. उन्होंने प्रेमानंद महाराज से अपने दिल की कश्मकश शेयर की और बदले में उन्हें बड़ी सलाह मिली. पारस छाबड़ा ने प्रेमानंद महाराज से कहा कि मुझे राधा रानी से प्रेम है. इसलिए मैं सुखद अनुभव सबके साथ साझा कर देता हूं. प्रेमानंद महाराज ने कहा कि ऐसा नहीं करना चाहिए. सब ये नहीं कर पाएंगे और आप खाली हो जाएंगे. पारस कहते हैं कि मेरा एक शो है यूट्यूब पर जिस पर मैं बोलता हूं. जहां मैं राधा रानी की बात करता हूं. प्रेमानंद महाराज ने कहा कि उनकी बात करना अलग है. लेकिन

ये बात कहना कि मुझे ऐसा अनुभव हो रहा है. मुझे ऐसा फील हो रहा है. इससे या तो आप पाखंड में आ जाएंगे. या तो आपका अनुभव खत्म हो जाएगा. क्योंकि सत्य सिद्धांत है. हम अपने अनुभव को दूसरों के साथ ऐसे शेयर कर सकते हैं कि मुझे संत ने ऐसा कहा है कि ऐसा कर लें. लेकिन मुझे ऐसा अनुभव होता है. वो नहीं कहना है.

पारस ने कहा कि मैं एक आम आदमी हूं. संत नहीं हूं. मुझे लगता है कि जिसने राधा नाम जपना शुरू किया और लीलाएं होने लगीं. राधा रानी चमत्कार दिखाने लगीं. तो लगता है कि बताओ. लेकिन अब से मैं संतों का नाम लूंगा. प्रेमानंद महाराज कहते हैं कि अपनी बात को दूसरों को ऐसे बताओ कि हमें ऐसे-ऐसे साधक मिले, जो बिल्कुल राधा नाम नहीं जपते थे. लेकिन जब जपना शुरू किया उन्हें बहुत लाभ मिला. प्रेमानंद महाराज ने उनसे कहा कि अपनी बात बताइए लेकिन किसी साधक का नाम लेकर.

इससे आप अपनी बात भी कह देंगे और बच भी जाएंगे. पारस छाबड़ा कई टेलीविजन रियलिटी शोज का हिस्सा रह चुके हैं. लेकिन उन्हें असली पहचान बिग बॉस 13 से मिली. बिग बॉस से बाहर निकलने के बाद पारस डिप्रेशन में भी रहे थे. लेकिन फिर उन्होंने कमबैक किया. अब वो अपने पॉडकास्ट के जरिए लोगों से जुड़े हुए हैं. पारस का भक्तिमय रूप फैन्स को पसंद आता है. राधा नाम जपने के लिए उनकी तारीफ भी होती है.

60 साल पहले, छठ पूजा बड़े पर्दे पर लेकर आई थी फिल्म

. छठ महापर्व की शुरुआत हो चुकी है. नहाए-खाए की विधि के साथ शुक्रवार सुबह से ही घरों में छठ मैया की पूजा का उल्लास नजर आने लगा है. घरों से छठ गीतों की मधुर धुनें सुनाई देने लगी हैं. ये छठ गीत, भोजपुरी म्यूजिक में एक पूरा जॉनर हैं. बिहार की स्वर कोकिला कही जाने वालीं गायिका, स्वर्गीय शारदा सिन्हा के छठ गीतों का असर तो ऐसा रहा है कि जहां छठ पूजा नहीं भी मनाई जाती, वहां भी लोगों ने उनके छठ गीत सुने हैं. बिहार और उत्तर प्रदेश (खासकर पूर्वांचल) की संस्कृति में महत्वपूर्ण बन चुकी छठ गीतों में ही नहीं, फिल्मों में भी बड़े पर्दे पर उतर चुकी है. इस साल भी छठ पूजा पर नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर नितिन चंद्रा की फिल्म 'छठ', वेव्स ओटीटी पर रिलीज हुई है. मगर क्या आप जानते हैं कि छठ पूजा, पहली बार बड़े पर्दे पर कब दिखाई गई थी

फिल्मों में छठ पूजा दिखाए जाने का इतिहास 60 साल से भी ज्यादा पुराना है. के एल सहगल, देव आनंद और मीना कुमारी जैसे बड़े हिंदी फिल्म स्टार्स के साथ काम कर चुके डायरेक्टर फणी मजूमदार पहली बार छठ पूजा को बड़े पर्दे पर लेकर आए थे. आज से करीब 64 साल पहले,

1961 में उनकी फिल्म 'भैया' रिलीज हुई थी. नालंदा चित्र प्रतिष्ठान के बैनर तले बनी ये पहली फिल्म वैसे तो मगधी में थी, मगर इसकी भाषा काफी सरल रखी गई थी. इसे हिंदी भाषी भी आराम से समझ सकते हैं. तरुण बोस, विजय चौधरी, पद्मा खन्ना के साथ हेलेन, शुभा खोटे, अचला सचदेव और रामायण तिवारी जैसे चर्चित नाम इस फिल्म का हिस्सा थे.

'भैया' ऐसे लड़के के कहानी थी जो अपने सौतेले भाई के प्रेम पर, अपना प्रेम कुर्बान कर देता है. इस फैमिली ड्रामा फिल्म की शुरुआत ही छठ पूजा से होती है. दिलचस्प ये है कि जहां गीतों और फिल्मों में अधिकतर महिलाओं को छठ पूजा का व्रत-अनुष्ठान करते दिखाया जाता है. वहीं आज से 60 साल पहले आई 'भैया' में हीरो तरुण बोस छठ करते नजर आए थे. भोजपुरी, मगधी और मैथिली फिल्मों की शुरुआत में हिंदी फिल्मों के कलाकारों का बड़ा योगदान था. इन रीजनल फिल्मों के शुरुआती कलाकारों और क्रू में अधिकतर ऐसे नाम होते थे जो हिंदी फिल्मों से भी जुड़े हुए थे. ये लोग बस अपनी मातृभाषा में सिनेमा बनता देखना चाहते थे. इन लोगों का साथ दूसरे बड़े हिंदी नाम भी खूब देते थे. इसी तरह 'भैया' की भी सिर्फ कास्ट में ही नहीं, बल्कि म्यूजिक डिपार्टमेंट में भी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बड़े नाम शामिल थे. 'भैया' में प्लेबैक गीतों को आवाज देने वालों में लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी तो थे ही.

किडनी फेल होने से एक्टर सतीश शाह का हुआ निधन

बॉलीवुड और टीवी के फेमस एक्टर सतीश शाह का निधन हो गया है. इस बात की पुष्टि उनके दोस्त अशोक पंडित ने सोशल मीडिया पर की है. उन्होंने एक वीडियो शेयर किया और बताया कि किडनी फेलियर के चलते दादर के हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित किया गया.

अशोक पंडित ने ये वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर सेयर किया है. जिसमें उन्होंने कहा, 'सतीश पहले घर पर ही थे. फिर किडनी फेलियर के चलते उन्हें दादर के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती करवाया गया. जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था. एक्टर का अंतिम संस्कार मुंबई के बांद्रा के श्मशान घाट में किया जाएगा. सतीश शाह ने पहले थिएटर में एक्टिंग का हुनर दिखाया था और फिर 'अजीब दास्तां' (1978) से बॉलीवुड में कदम रखा. सतीश शाह की फेमस फिल्मों की बात करें तो इस लिस्ट में 'मुझसे शादी करोगी', 'कल हो ना हो', 'कभी हां कभी ना', 'हम साथ साथ हैं', 'मुझसे दोस्ती करोगे', 'इश्क-विश्क', 'हम आपके हैं कौन', 'हीरो नंबर 1', 'अमृत', 'नरसिम्हा', 'पुराना मंदिर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'रमैया वस्तावैया' का नाम शामिल है.

सतीश शाह का करियर सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं टीवी पर भी खूब सफल रहा था. उन्होंने कई सुपरहिट सीरियल्स में काम किया था. जिसमें 'साराभाई वीएस साराभाई' जैसे शोज का नाम शामिल है. एक्टर के निधन से सिर्फ उनकी फैमिली ही नहीं फैंस का भी दिल टूट गया है. पूरा बॉलीवुड इस वक्त शोक में हैं. सोशल मीडिया यूजर्स भी एक्टर को श्रद्धांजलि दे रहे हैं.

'दृश्यम 3' करने से परेश रावल का इनकार, बताई वजह

नई दिल्ली. खबरों की मानें तो कहा जा रहा है कि परेश रावल ने अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' साइन कर ली है. लेकिन बात कुछ और ही है. फिल्म की शूटिंग बस शुरू ही होने वाली है. फिल्म के मलयाली वर्जन के प्रोड्यूसर जीतू जोसेफ से 'दृश्यम 3' को बनाने को लेकर परमिशन आनी बाकी है. फिल्म की कास्टिंग हो रही है. कहा जा रहा था कि परेश रावल फिल्म में एक अहम किरदार अदा करते दिखेंगे. लेकिन परेश ने इस फिल्म का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है. हाल ही में एक इंटरव्यू में परेश ने सच्चाई बताई है. परेश ने कहा कि वो फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें स्क्रिप्ट में मजा तो आया लेकिन किरदार सही नहीं लगा. बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में परेश रावल ने कहा कि उन्होंने 'दृश्यम 3' साइन नहीं की है. जो किरदार उन्हें ऑफर हो रहा था वो उन्हें दिलचस्प नहीं लगा. परेश ने कहा- मैंने फिल्म को साइन नहीं किया है. जितनी भी रिपोर्ट्स आपके पास आ रही हैं उनमें कोई सच्चाई नहीं है. हां, मेकर्स ने मुझे अप्रोच किया था, पर मुझे लगा कि ये रोल मुझे सूट नहीं करता है. मजा नहीं आया. पर सच कहूं तो स्क्रिप्टि काफी अच्छी है.

टीवी का मशहूर हीरो, शराब-घमंड ने बर्बाद किया करियर

ये हैं मोहब्बतें' फेम करण पटेल ने फैन्स के साथ गुड न्यूज शेयर की है. 6 साल बाद करण टेलीविजन पर कमबैक करने जा रहे हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए कमबैक का हिंट दिया है. आइए जानते हैं कि पिछले 6 सालों से करण टीवी से दूर क्यों थे. टेलीविजन का लोकप्रिय कॉमेडी कुकिंग शो लाफ्टर शेफ सीजन 3 लौट रहा है. शो की अनाउंसमेंट के बाद इसके पुराने कंटेस्टेंट खुशी से झूम उठे हैं. वहीं फैन्स भी अपने फेवरेट शो के लिए एक्साइटेड हैं. इस बीच खबर आई कि एक्टर करण पटेल कॉमेडी कुकिंग शो का हिस्सा होंगे. उन्हें शो का नया सीजन ऑफर किया गया है. करण इस रूमर्स पर चुप्पी बनाए हुए हैं. लेकिन उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैन्स के दिलों में खलबली मचा दी है. करण ने इंस्टाग्राम पर शर्टलेस फोटो शेयर की है. वो लिखते हैं कि मैं ये घोषणा करता हूं कि अगले साल इसी समय तक मेरी वापसी ज्यादातर लोगों की शुरुआत से भी बड़ी होगी. यकीन करो और हासिल करो. करण टेलीविजन के पॉपलुर हीरोज में से एक हैं. उन्होंने टीवी पर 'कसम से', 'काव्यांजलि', 'कस्तूरी', 'ये हैं मोहब्बतें', 'नच बलिए' और 'झलक दिखला जा' जैसे तमाम शोज में काम किया है. करण जिस भी शो का हिस्सा बनते थे, वो हिट हो जाता था. 'कस्तूरी' सीरियल से वो रातोरात स्टार बन गए थे. उन्हें टीवी का शाहरुख खान कहा जाने लगा था.

धीरे-धीरे उन्हें अपने टैलेंट पर गुरूर आने लगा. वो कई प्रोजेक्ट्स को ना कहने लगे. अगर किसी प्रोजेक्ट के लिए राजी भी होते, तो ज्यादा पैसों की डिमांड करते. उन्होंने ये भी माना था कि कई दफा वो शो के सेट पर शराब पीकर गए थे. रातोरात मिली स्टारडम ने उन्हें बिगाड़ दिया था. फिर एक वक्त आया जब मेकर्स ने उन्हें काम देना बंद कर दिया. 3 साल तक घर पर खाली बैठने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनसे गलती हुई है. गलती को सुधारने के बाद अब उनकी वापसी हो रही है. हालांकि, उन्होंने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की डिटेल शेयर नहीं की हैं.

'गृह विभाग विपक्ष की जासूसी में व्यस्त'

महिलाओं की सुरक्षा पर संजय राउत का फडणवीस पर आरोप

फलटण.

फलटण में महिला डॉक्टर की आत्महत्या और मुंबई में युवती की हत्या के बाद संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि गृह विभाग का ध्यान विपक्ष पर है, जबकि कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है. राउत ने कहा कि पुलिस तंत्र का राजनीतिक उपयोग हो रहा है, जिसके चलते राज्य में अपराध बढ़ रहे हैं और महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं. फलटण में महिला डॉक्टर की आत्महत्या और मुंबई में युवती की हत्या जैसी घटनाओं के बाद महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठे हैं. शिवसेना (ठाकरे गट) के नेता और सांसद संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा 'फडणवीस का ध्यान गृह विभाग, कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर नहीं है. राज्य में पुलिस और कानून का डर खत्म हो गया है. सरकार का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं बचा है. गृह विभाग अजगर की तरह निढाल पड़ा है.' राउत ने कहा कि फडणवीस के पास गृह विभाग आने के बाद से ही उनका ध्यान इस पर नहीं है. 'वे सिर्फ इस बात पर केंद्रित हैं कि विपक्ष के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए और पुलिस तंत्र का राजनीतिक इस्तेमाल कैसे किया जाए.

उन्होंने पूरे पुलिस विभाग को अपनी राजनीति में उलझा दिया है,' ऐसा संजय राउत ने आरोप लगाया. फलटण की घटना में सरकारी अस्पताल की महिला डॉक्टर ने आत्महत्या की, और इस आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोग पुलिस विभाग के ही हैं. दूसरी घटना मुंबई की सड़कों पर हुई, जहाँ एक युवती पर दिनदहाड़े चाकू से वार कर उसकी हत्या की गई. बाद में हमलावर ने भी आत्महत्या कर ली. ऐसी घटनाएं अब महाराष्ट्र के हर कोने में देखने को मिल रही हैं. राउत ने कहा कि गृह विभाग का काम बेहद असंवेदनशील तरीके से चल रहा है. 'गृह विभाग सिर्फ विपक्ष की जासूसी करने, उनके फोन टेप करने और पुलिस को उनके पीछे लगाने का काम कर रहा है. जब पुलिस को सत्ताधारी दल का नौकर बना दिया जाएगा, तो फलटण और मुंबई जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं होती रहेंगी.' उन्होंने आगे कहा कि राज्य की पुलिस महानिदेशक एक महिला हैं, फिर भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं.'जब किसी और की सरकार होती थी, तब ये महिला नेता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करती थीं. अब जब खुद की सरकार है, तो वे चुप क्यों हैं? 'ऐसा सवाल संजय राउत ने उठाया. महाराष्ट्र की स्थिति बेहद गंभीर- संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र का माहौल बहुत चिंताजनक है. 'राज्य सरकार अब सरकार की तरह काम नहीं कर रही है. प्रशासन पर उसकी पकड़ खत्म हो गई है. गृह विभाग अजगर की तरह निढाल पड़ा है.' इन शब्दों में संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस और राज्य सरकार पर घनघोर प्रहार किया.

पीएम मोदी से डिप्टी सीएम शिंदे की मुलाकात

कहा- 'बिहार में एनडीए की लहर है, जीत तय'

मुंबई. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिल्ली में प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात की, इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों समेत बिहार चुनाव पर भी चर्चा की. जिसमें एनडीए की जीत पर भरोसा जताया. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार में बहुत काम हुआ है. शिंदे ने कहा जैसे एनडीए महाराष्ट्र में जीता था वैसे ही बिहार में भी जीतेगा. वहीं उन्होंने सतारा में हुई डॉक्टर आत्महत्या घटना को दुखद बताया और कहा कि इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इसमें एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के संकेत दिए हैं. उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी अच्छी मुलाकात हुई, जहां देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा हुई. शिंदे ने कहा कि पीएम हमारी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं. बिहार में एनडीए की जीत पर भरोसा जताते हुए बोले- बिहार में एनडीए जीतेगा. मोदी जी ने बिहार का विकास किया है. मुंबई समेत महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में बिहारी प्रवासी रहते हैं, जिनमें एकनाथ शिन्दे अच्छा उपयोग किया जा सकता है. ये मुलाक़ात बिहार के प्रवासी वोटरों को साधने के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है. डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने सतारा में डॉक्टर सुसाइड मामले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है. उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त करवाई होगी.

सतारा डॉक्टर खुदकुशी मामले में एसआईटी जांच

सतारा. महाराष्ट्र के सतारा जिले में 28 साल की महिला डॉक्टर की संदिग्ध आत्महत्या के मामले ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है. इस घटना में एनसीपी के धनंजय मुंडे और शिवसेना (यूबीटी) के अंबादास दानवे दोनों ने स्वतंत्र जांच और एसआईटी की मांग की है. यह महिला डॉक्टर बीड जिले की रहने वाली थी और फलटण के सरकारी अस्पताल में तैनात थी. गुरुवार रात उसका शव एक होटल के कमरे में फांसी से लटका मिला. उसकी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में उसने पुलिस सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडाने पर कई बार रेप करने का आरोप लगाया है, और प्रशांत बंकार नाम के सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर मानसिक रूप से परेशान करने का. पुलिस ने दोनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है.

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना क्रमांक: NGP-ELECT - TRD-2025-26-22, दिनांक 23.10.2025. वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (कर्षण वितरण), मध्य रेल, नागपुर, निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी ठेकेदारोंसे डिजिटली हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई - निविदा आमंत्रित करते है। **कार्य का नाम:** मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में किरथगढ़, तीगांव और बरबतपुर स्टेशन पर अप और डाउन लूप लाइनों के विस्तार के संबंध में 25 केवी एसी ओएचई कार्य। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु. 1,44,42,295.44. (एक करोड़, चौवालीस लाख, बयालीस हज़ार, दो सौ पचानवे रुपये और चौवालीस पैसे मात्र)। **बयाना राशि:** रु. 2,22,200/- (दो लाख, बाईस हज़ार, दो सौ रुपये)। **निविदा बंद होने की तारिख एवं समय:** 14.11.2025 @ 15:00 Hrs. **वेबसाईट:** इस ई - निविदा की अधिक जानकारी तथा ई-टेंडरींग / ऑनलाइन भाग हेतु संपूर्ण सूचना रेल्वे वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर

वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (टी.आर.डी.), मध्य रेल, नागपुर

DE/260

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

नोटीस

Pre-Admit Civil B No. 1235-B/2025
मुंबई येथील न्यायाधिकारी उच्च न्यायालयाचे, नागपूर खंडपीठ, नागपूर.
हुकूमाची तारीख १३/१०/२०२५
क्रमांक २०२९-२०२५

वादी : सुभाष वल्द माधव एकतारे
-विरूध्द-
प्रतिवादी : प्रमोद वसंतराव पम्पतवार
प्रति,
रि.नं. किशोर वसंतराव पम्पतवार,
रि.नं. निता रघोजी
रा. लक्ष्मी नगर, नागपूर

सदरहू प्रतिवादी क्र. ३,४,५ यांना सुचित करण्यात येते की वरील मुकदम्यातील मुंबई येथील उच्च न्यायालय नागपूर खंडपीठ यांचे हुकूमनाम्यावर सदरहू अपीलंट वरील प्रमाणे याने रिट दाखल केला असून ते कोर्टाच्या रजिस्टरात दाखल करण्यात आले आहे.

वरिल रिट मध्ये अंतीम सुनावणीसाठी का दाखल करण्यात येउ नये यावर सुनावणी नोटीस प्रसिध्द झाल्यापासून ४ आठवडयाच्या आत अगर कोर्टाचे सवडीप्रमाणे कोणत्याही दिवशी होईल असा या कोर्टाने हुकूम केला आहे. यास्तव तुम्ही स्वतः किंवा तुमच्यातर्फे अधिवक्ता किंवा मुकदमा चालविण्यास कायदयानुसार ज्यास अधिकार आहे असा कोणी व्यक्ती नोटिस प्रसिध्द झाल्यापासून ४ आठवडयाच्या आत सदरहू मुकदमा (रिट) चालविण्यास हजर झाला नाही तर तुमच्या अपरोक्ष एकतर्फी सुनावणी करण्यात येईल. यास साक्ष श्री गौतम अश्वीन अंकड, मुंबई येथील मुख्य न्यायाधिकारी. आज तारीख १५/१०/२०२५.

कोर्टाचे हुकूमाने
शिक्का
(ए.एन. भोयर) Assistant Registrar
High Court of Bombay Nagpur, Bench, Nagpur.

महसुल व वनविभाग
कोर्ट विद्यमान तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा यांचे कार्यालय

Email ID: tahasildarhingna@gamil.com दुरध्वनी क्र.०७१०४-२७६१३४

क्र.म.स./जन्म-मृत्यू/तह. हि./कावि- १७१/२०२५
दिनांक ०९/१०/२०२५

वाचा : १) सार्वजनिक आरोग्य विभाग यांचे शासन निर्णय दिनांक १२ मार्च २०२५, **२)** मा.उप सचिव, महसूल व वन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे कडील पत्र क्र. ०३/ई-१ अ.दि. १७/०३/२०२५, **३)** मा. जिल्हाधिकारी, नागपूर यांचे कडील पत्र क्र. अका/डी-१/जन्म-मृत्यू आदेश/ कावि- १०४/ २०२५ दिनांक १७/०३/२०२५, **४) श्रीमती माया विजय वडे,** रा. रायपूर, हिंगणा, ता. हिंगणा, जि. नागपूर यांचा अर्ज दिनांक २३/०९/२०२५.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्रीमती माया विजय वडे,** रा. रायपूर, हिंगणा, ता. हिंगणा, जि. नागपूर यांनी त्यांच्या पतीच्या मृत्युची नोंद ग्रामपंचायत/ नगर परिषद दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू **श्री विजय पतिराम वडे** यांचा **मृत्यु दिनांक २०/०५/१९९४** रोजी **राहते घरी रायपूर, हिंगणा** येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे **मृत्युचे** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा **मृत्यू** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृह चौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी हिंगणा यांचे न्यायालयात स्वतः जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनामाच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे.

उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/ उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **मृत्यू** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही असे गृहीत धरून प्रस्तावित **मृत्यू** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का
तहसिलदार तथा तालुका दंडाधिकारी, हिंगणा

Prasanna Publicity 09326927622

जाहीर नोटीस

ग्राहक तक्रार प्रकरण क्र. CC/23/309
Smt Sumedha Satish Alyadwar V/S Vastu Vishwa Developers Pvt. Ltd and Others

वरील ग्राहक तक्रार प्रकरणांमध्ये यामध्ये गैरअर्जदार क्र.
वि.प.क्र. 3. Shri Yogesh Baburaoji Kaikade, Director Vastu Vishwa Developers Pvt. Ltd.
वि.प.क्र. 4. Shri Deepak Madhavrao Nilawar, Director Vastu Vishwa Developers Pvt. Ltd.
उक्त गै.अ. यांचा पत्ता अनुक्रमाणे.
वि.प.क्र. 3. चा पत्ता Flat No 11-A & 12-a, 3rd Floor, Emerald Building No C in Precious Gems, North Main Road, Koregaon Park, Pune-411001
वि.प.क्र. 4. चा पत्ता 201, 2nd Floor, Ganesh Chambers, Mehadia Square, Dhantoli, Nagpur-12.
याना सदर पत्यावर आयोगाची नोटीस पाठविली असता 'Left' या शेऱ्यासह नोटीस आयोगास परत आली.

नोटीस तामिल न झाल्याने तक्रारकर्ता यांच्या दि. 29/08/2025 रोजीच्या अर्जानुसार मा. आयोगाने वरील गैरअर्जदार यांना आयोगात हजर राहण्याकरीता नागपूर मेट्रो समाचार, नागपूर या वृत्तपत्रात जाहीर नोटीस (Public Notice) प्रकाशित करण्याची परवानगी दिली आहे.

वि.प.क्र. 3. Shri Yogesh Baburaoji Kaikade, Director Vastu Vishwa Developers Pvt. Ltd.
वि.प.क्र. 4. Shri Deepak Madhavrao Nilawar, Director Vastu Vishwa Developers Pvt. Ltd.
उक्त गै.अ. यांचा पत्ता अनुक्रमाणे.
वि.प.क्र. 3. चा पत्ता Flat No 11-A & 12-a, 3rd Floor, Emerald Building No C in Precious Gems, North Main Road, Koregaon Park, Pune-411001
वि.प.क्र. 4. चा पत्ता 201, 2nd Floor, Ganesh Chambers, Mehadia Square, Dhantoli, Nagpur-12.

याना जाहीर नोटीसद्वारे निर्देश देण्यात येते कि, त्यांनी **दि. 28/10/2025** रोजी सकाळी 10.30 वाजता अतिरिक्त जिल्हा ग्राहक तक्रार निवारण आयोग, नागपूर नविन प्रशासकिय ईमारत- 1, 3 रा माळा, सिव्हील लाईन्स, नागपूर-01 येथे हजर राहावे. आपण वरील तारखेस हजर न झाल्यास, आपल्या विरोधात एकतर्फे आदेश पारीत करण्यात येईल याची नोंद घ्यावी. स्थळ : नागपूर. दिनांक ०४/०९/२०२५

शिक्का
स्वाक्षरी/- प्रबंधक
अतिरिक्त जिल्हा ग्राहक तक्रार निवारण आयोग, नागपूर.

Prasanna Publicity 09326927622

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

MSBVE / MSBTE महाराष्ट्र शासन मान्य
AYUSHMAN COLLEGE & HOSPITAL
KAMPTEE, NAGPUR (MS.)
आयुष्मान मेडिकल पॅरामेडिकल कॉलेज
सईद नगर, बालाजी मंदिर के सामने, कलमना रोड, रनाला, कामठी
महाराष्ट्र हमारे कोर्स
BSc MLT, BVOC MLT, PGDMLT / ADMLT (MSBTE) ADXR (MSBTE), DMLT, DDT, DNYS, DAT, GNMA, CCOT, Health Sanitary Inspector, Radiology Technician
इंटर्नशिप आपको सरकारी हॉस्पिटल मे मिलेगी
ADMISSION OPEN 2025-26
8651512020, 8651513030

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 1 ऑगस्ट अयोध्या काशी
• १४ ऑगस्ट आग्रा मथुरा वृंदावन
• ७ सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• २७ ऑक्टोबर केरळ कन्याकुमारी
• २८ ऑक्टोंबर गुजरात राजस्थान
• १६ नोव्हेंबर आणि १० डिसेंबर अंदमान
• ३ जानेवारी गंगासागर नेपाळ
संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

अल्का लाडे प्रस्तुत "ज़िंदगी का सफर"
Organizar संकल्प बहुद्देशीय संस्था
सुहाना म्यूज़िकल ग्रुप
(लाइव ऑर्केस्ट्रा पर सुमधुर गीतों की प्रस्तुति)
Alka Lade बॉलिवुड गायिका
Contact For Participate 9373108897, 7798900066 9579254999
Per Song 1500
दि. 10 आगस्त 2025 दोप. 3 बजे से रात 9.30 बजे तक
अमृत भवन, झांसी रानी चौक, सिताबर्डी, नागपुर

धनवटे ऑनलाइन सर्विसेस
7/12 डिजिटल, ई-अभिलेख, 8 अ डिजिटल, ई- मोजनी, प्रॉपर्टी कार्ड, अधिकार क्षेत्र, झोन सर्टिफिकेट, वर्ग 2 ते वर्ग 1 अर्ज, अखिव पत्रिका, 7/12 फेरफार साठी अर्ज, फेरफार अर्ज,
राजेश धनवटे
9561498551
उपजिला रुग्णालय रोड, हैदरी चौक कामठी

VATSALYA Preschool
"Little Minds, Big Adventures"
Nurturing Young Minds with Heart and Purpose
Pre-Nursery, Nursery, KG1, KG2
Enquire now
More Information 9834172396
Address : Near Ashapurak Ganesh Mandir Ground, Professor Colony, Ranala, Kamptee

NISHCHAY TRAVELS
All types of AC & Non-AC Vehicles Available
Buses 30, 40 & 50 Seater Available
Plot No. 35, House No. 40, Kamptee Road, Shri Hari Nagri Near Ram Vatika, Bhilgaon, Nagpur-441002
: Contact :
Avinash Zanzote 9850340105 7972365539
Vilas Zanzote 9372211220 9112274567

प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू... प्रवेश सुरू...
नवयुग एज्युकेशन आणि बहुउद्देशीय संस्था कन्हान द्वारा संचालित
ADMISSION OPEN FOR 2024-2025
मारोतराव पानतावणे ज्यु. कॉलेज
११ व १२ वी कला, वाणिज्य, विज्ञान
मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय
(राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ नागपूर द्वारा संलग्नित)
B.A., B.Com, B.Sc.कला, वाणिज्य, विज्ञान
कार्यालय वेळ सकाळी १० ते सायं. ५ पर्यंत
SC/ST/OBC/VJNT विद्यार्थ्यांना BA/B.Com/B.Sc ला निःशुल्क प्रवेश देण्यात येईल.
स्कॉलरशिप ची सुविधा उपलब्ध आहे.
संपर्क : मारोतराव पानतावणे महाविद्यालय, गहुहिवरा रोड, कांद्री-कन्हान
07102-236484, 9373120336, 9834985854, 8766643359

2025 ADMISSION OPEN
FOR I.T.I. ELECTRICIAN & FITTER
Eligiblity 10th Pass
FREE ADMISSION FOR GIRLS
Maharashtra Govt. SCHOLARSHIP UPTO 100% for SC/ST/OBC/EWS boys & girls
CONTACT US
RABBANI ITI
Near Samaj Bhawan, Imli Bag, Kamptee 441001 Dist. Nagpur (M.S.)
9021132527 7721877941 9021194901

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

प्लस प्वाइंट ट्यूशन क्लासेस
10, 11, 12 वीं की सभी विषयों की अनुभवी शिक्षकों द्वारा ट्यूश्न क्लासेस ली जाती है।
प्रोप्रा. मो. सलमान शेख
मोटर स्टँड मस्जिद के पास, कामठी
तारसा रोड, कन्हान

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

3 STAR HOTEL
LODGING, BOARDING & RESTAURANT
AC / Non AC Room
8983305535, 8055705535
पता: घोरपड बस्ती, लिहीगांव रोड, कामठी

VIDEO GAMES SHOP
Convert VHS to Pendrive, Harddiskh
VHS को पेंनड्राइव में डालते है.
कोई भी पुरानी Video Cassette Recorder (VRC) शादी एवम कोई भी पुरानी (VHS) कार्यक्रम की Video Cassette (VHS), VCD, CD, DVD, को Pendrive या Harddisk में Convert किया जाता है.
All Video Game for Sell & Repair Services also available
Only Place for Harddisk Loading
All type of USB & Electrical Accessories
All type of video game are available
Repair your Video Games, PS 2, 3, 4 & X Box
Order for Digital Video, Photo Album
DHAMTI VIDEO FILMS
9423771189, 9595399588
FOR SALE Plot Size 500 sqft. Construction 1000 sqft. RANALA, KAMPTEE

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञापन हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

ज्ञान की रोशनी से ही सफलता का सूरज चमकता है।

मिस्र के पिरामिड

मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरो (सम्राट) गणों के लिए बनाए गए स्मारक स्थल हैं, जिनमें राजाओं के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। इन शवों को ममी कहा जाता है। उनके शवों के साथ खाद्यान, पेय पदार्थ, वस्त्र, गहनें, बर्तन, वाद्य यंत्र, हथियार, जानवर एवं कभी-कभी तो सेवक सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था। भारत की तरह ही मिस्र की सभ्यता भी बहुत पुरानी है और प्राचीन सभ्यता के अवशेष वहाँ की गौरव गाथा कहते हैं। यों तो मिस्र में 138 पिरामिड हैं और काहिरा के उपनगर गीज़ा में तीन लेकिन सामान्य विश्वास के विपरीत सिर्फ गिजा का 'ग्रेट पिरामिड' ही प्राचीन विश्व के सात अजूबों की सूची में है। दुनिया के सात प्राचीन आश्चर्यों में शेष यही एकमात्र ऐसा स्मारक है जिसे काल प्रवाह भी खत्म नहीं कर सका। यह पिरामिड 450 फुट ऊंचा है। 43 सदियों तक यह दुनिया की सबसे ऊंची संरचना रहा।

19वीं सदी में ही इसकी ऊंचाई का कीर्तिमान टूटा। इसका आधार 13 एकड़ में फैला है जो करीब 16 फुटबॉल मैदानों जितना है। यह 25 लाख चूनापत्थरों के खंडों से निर्मित है जिनमें से हर एक का वजन 2 से 30 टनों के बीच है। ग्रेट पिरामिड को इतनी परिशुद्धता से बनाया गया है कि वर्तमान तकनीक ऐसी कृति को दोहरा नहीं सकती। कुछ साल पहले तक (लेसर किरणों से माप-जोख का उपकरण ईजाद होने तक) वैज्ञानिक इसकी सूक्ष्म सममिति (सिमट्रीज) का पता नहीं लगा पाये थे, प्रतिरूप बनाने की तो बात ही दूर! प्रमाण बताते हैं कि इसका निर्माण करीब 2560 वर्ष ईसा पूर्व मिस्र के शासक खुफु के चौथे वंश द्वारा अपनी कब्र के तौर पर कराया गया था। इसे बनाने में करीब 23 साल लगे। मिस्र के इस महान पिरामिड को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि बिना मशीनों के, बिना आधुनिक औजारों के मिस्रवासियों ने कैसे विशाल पाषाणखंडों को 450 फीट ऊंचे पहुंचाया और इस बृहत परियोजना को महज 23 वर्षों में पूरा किया?

पिरामिड मर्मज्ञ इवान हैडिंगटन ने गणना कर हिसाब लगाया कि यदि ऐसा हुआ तो इसके लिए दर्जनों श्रमिकों को साल के 365 दिनों में हर दिन 10 घंटे के काम के दौरान हर दूसरे मिनट में एक प्रस्तर खंड को रखना होगा। क्या ऐसा संभव था? विशाल श्रमशक्ति के अलावा क्या प्राचीन मिस्रवासियों को सूक्ष्म गणितीय और खगोलीय ज्ञान रहा होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक पिरामिड के बाहर पाषाण खंडों को इतनी कुशलता से तराशा और फिट किया गया है कि जोड़ों में एक ब्लेड भी नहीं घुसायी जा सकती। मिस्र के पिरामिडों के निर्माण में कई खगोलीय आधार भी पाये गये हैं, जैसे कि तीनों पिरामिड ओरियन राशि के तीन तारों की सीध में हैं।

वर्षों से वैज्ञानिक इन पिरामिडों का रहस्य जानने के प्रयत्नों में लगे हैं किंतु अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। मिस्र के नन्हेड़ा गाव का सागर सिंह के नाम की जगह पर एक प्राचीन मंदिर है जिसे मिस्र वासियो ने अपने एक भगवान् हैथोर के लिए बनाया था। इस मंदिर की दीवार पे एक चित्र बना हुआ है जो प्राचीन मिस्र में बिजली की उपस्थिति होने का संकेत देता है, इसे डंडेरा लाइट कहाँ जाता है और उस मंदिर को डंडेरा लाइट कॉम्प्लेक्स के नाम से आज भी जाना जाता है।

बदलते मौसम: मौसमी बदलावों के दौरान अपनी इम्यूनिटी कैसे बढ़ाए

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, वैसे-वैसे इसका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी दिखाई देता है। बदलते तापमान, एलर्जी के बढ़ते संपर्क और दिनचर्या में आने वाले परिवर्तनों के कारण हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है, जिससे सर्दी, फ्लू और थकान जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली की रीजनल हेड – डाइटेटिक्स, न्यूट्रिशनिस्ट ऋतिका समद्दार के अनुसार, "इस संक्रमण काल में अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखना स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की कुंजी है। एक सशक्त प्रतिरक्षा प्रणाली का आधार संतुलित आहार, सजग आदतें और स्वस्थ जीवन शैली हैं। अपने भोजन में बादाम, हरी सब्जियां और फैटी फिश जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें, साथ ही हल्के व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। कैलिफ़ोर्निया बादाम जैसे छोटे लेकिन पौष्टिक नट्स इम्युनिटी बढ़ाने का सरल और प्रभावी उपाय हैं। जैसे ही हम नए मौसम में प्रवेश करते हैं, अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करना स्वस्थ और सक्रिय रहने के लिए आवश्यक है। कैलिफ़ोर्निया बादाम और सैल्मन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने, पर्याप्त जल सेवन करने, अच्छी नींद लेने और सक्रिय रहने जैसी सरल लेकिन प्रभावी आदतें अपनाकर आप अपने शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बना सकते हैं। थोड़ी सजगता के साथ आप इस मौसम का पूरा आनंद लेते हुए अपनी सेहत बनाए रख सकते हैं। ऋतिका बदलते मौसम के दौरान आपकी इम्युनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए व्यावहारिक सुझाव साझा करती हैं: आपकी दैनिक सुरक्षा की खुराक, कैलिफोर्निया बादाम विटामिन ई और जिंक से भरपूर होते हैं, जो बदलते मौसम में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक सुरक्षात्मक कवच की तरह कार्य करते हैं। इनमें कॉपर भी पाया जाता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली के सामान्य कार्य को बनाए रखने में सहायक महत्वपूर्ण खनिज है। आरामदायक नींद को प्राथमिकता दें, सिर्फ पोषण ही पर्याप्त नहीं है; आपका शरीर पुनर्जीवित होने और मरम्मत के लिए पर्याप्त विश्राम भी चाहता है। हर रात 7–8 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लेने का प्रयास करें ताकि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली सशक्त बनी रहे और मौसम परिवर्तन का सामना करने के लिए तैयार रहे। हाइड्रेटेड रहें, तापमान कम होने पर कई लोग पानी कम पीते हैं। शरीर को हाइड्रेटेड रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पाचन को समर्थन देता है, शरीर की कार्यप्रणाली को संतुलित रखता है और टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है, जिससे आप दिनभर ऊर्जावान और ताजगी से भरे रहते हैं। संतुलित भोजन चुनें, भोजन में लुभावने व्यंजनों को हल्के और फाइबर युक्त विकल्पों जैसे सलाद या ताजे फलों के साथ जोड़ें। सैल्मन और फ्लैक्स सीड्स जैसे खाद्य पदार्थ शामिल करें, जो ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं और सूजन को कम करने तथा प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करते हैं। सक्रिय रहें, थोड़ी सी गतिविधि भी बड़ा अंतर ला सकती है। चाहे तेज़ पैदल चलना हो, हल्की स्ट्रेचिंग या परिवार के साथ नृत्य, सक्रिय रहना रक्त संचार को बढ़ाता है और मौसमी थकान से लड़ने में मदद करता है। रोजाना केवल 10–15 मिनट की हल्की गतिविधि भी ऊर्जा स्तर बनाए रखने में सहायक होती है।

छठ पूजा: गन्ना क्यों है अनिवार्य?

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा शुरू हो गई है. बीते दिन शनिवार को नहाय-खाय का दिन था. आज खरना होगा. 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा. इसके बाद 28 अक्टूबर को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत पारण किया जाएगा और ये व्रत संपन्न होगा. छठ पूजा पर छठी मैया और भगवान सूर्य की अराधना की जाती है. छठ पूजा में जो भी सामग्रियां उपयोग की जाती हैं वो सभी विशेष होती हैं. छठ पूजा के पर्व में गन्ने का भी बहुत विशेष महत्व होता है. छठ पूजा के प्रमुख प्रसाद में गन्ना चढ़ाया जाता है. माना जाता है कि गन्ने के बिना छठ पूजा पूरी नहीं होती है. ऐसे में आइए जानते हैं कि छठ पूजा गन्ने के बिना अधूरी क्यों मानी जाती है. इसके पीछे का कारण क्या है? छठ की पूजा में गन्ना बहुत महत्वपूर्ण है. छठ पूजा के दौरान घर के आंगन में पत्तों वाले गन्ने से मंडप या छतरनुमा आकृति बनाई जाती है.

उसी में छठ पूजा के लिए कोसी को रखा जाता है. फिर पूरे विधि विधान से पूजन किया जाता है. जब छठ पर्व पर कोसी भरी जाती है, तब ऐसा विशेष रूप से किया जाता है. गन्ने से बना यह मंडप छठी मैया को अत्यंत प्रिय है. ऐसी लोक मान्यता है. ऐसा करने से माता प्रसन्न होती हैं. छठी मैया के प्रसन्न होने से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है. गन्ना एक सख्त पौधा माना जाता है. इसे पशु-पक्षी जूठा नहीं कर पाते. अपनी पवित्रता की वजह से ये छठी मैया को प्रिय है. छठ पूजा में गन्ना रखने से परिवार खुशहाल रहता है. गन्ने के रस या गुड़ से खरना का प्रसाद बनता है. छठ पूजा में नई फसल का प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है. ये सब कारण हैं कि गन्ने के बिना छठ पूजा अधूरी मानी जाती है. प्रसाद बनाने के लिए आम की लकड़ी का उपयोग क्यों? खरना की शाम मिट्टी का चूल्हा बनाया जाता है. इस चूल्हे में आम की लकड़ियां उपयोग की जाती हैं. आम की लकड़ी शुद्ध और सात्विक मानी जाती है. मान्यता है कि आम की लकड़ी छठी मैया को बहुत प्रिय है, इसलिए छठ के अवसर पर प्रसाद बनाने के लिए आम की लकड़ियों का उपयोग होता है. इस लकड़ी से प्रसाद बनाने पर घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है.

खरना की विधि: खरना के दिन व्रती महिलाओं द्वारा मिट्टी के नए चूल्हे पर गुड़ और चावल की खीर बनाई जाती है. ये खीर पीतल के बर्तन में गुड़, चावल और दूध से तैयार की जाती है. साथ ही गेहूं के आटे से बनी रोटी, पूड़ी या ठेकुआ बनाया जाता है. इस खीर का भोग छठी मैया को लगता है. इसके बाद इसे सभी लोग प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं. फिर 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है.

बांस का सुपा, छठ पूजा का व्रत संतान की वृद्धि, सफलता और अच्छे स्वास्थ्य के लिए रखा जाता है. छठ पूजा में बांस का सुपा पौराणिक समय से ही उपयोग किया जा रहा है. बांस का सुपा पूरी तरह प्राकृतिक और सात्विक माना जाता है. मान्यता है कि जैसे आठ सप्ताह में बांस की 60 फीट ऊंचाई तेजी से बढ़ती है, वैसे ही इस बांस के सूप में व्रत की पूजा करने से संतान को जीवन में सफलता तेजी से मिलती है. बांस के सुपा में ठेकुआ, फल, और अन्य प्रसाद सजाकर अर्घ्य दिया जाता है, जिसे प्रकृति और सूर्य देव के प्रति श्रद्धा को शुद्धतम रूप में व्यक्त करना माना जाता है.

पीतल का सुपा, आधुनिक समय में छठ के व्रत के अनुष्ठान में पीतल के सूप, परात और पूजा के कलश का उपयोग भी देखा जाने लगा है. शास्त्रों में बताया गया है कि पीली चीजें सूर्य भगवान का प्रतीक हैं. पीतल या फुल्हा बर्तन भी पीला होता है. छठ व्रत में भगवान सूर्य को पीतल के सुपा में भी अर्घ्य दिया जा सकता है.

कौन सा सुपा है सही और शुभ? दोनों ही सूप का अपना-अपना महत्व है. बांस का सुपा प्रकृति, परंपरा और श्रद्धा का प्रतीक बताया जाता है, तो पीतल का सुपा वैभव और समृद्धि का प्रतीक है. परंपरागत रीति से पूजा करने के लिए बांस का सुपा शुभ और सही रहता है. वहीं पूजा में शुद्धता के साथ आधुनिकता को भी शामिल करना हो तो पीतल का सुपा शुभ रहता है.

प्राकृतिक उपाय से सर्दी-खांसी पर काबू

दिवाली के बाद वायु प्रदूषण का लेवल काफी ज्यादा बढ़ गया है. खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर में. आसमान में छाया धुआं कई लोगों के लिए दिक्कतों की पैदा कर रहा है. सांस लेने में परेशानी हो रही हैं. साथ ही कई लोगों को खांसी की समस्या भी हो रही है. क्योंकि प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर हमारे श्वसन तंत्र पर ही पड़ता है, जिससे लगातार खांसी होती है और बलगम जैसी समस्या बढ़ जाती है. कई बार खांसी लंबे समय तक रहती है और दवाइयों के बाद भी राहत नहीं मिल पाती है. ऐसे में आयुर्वेद नुस्खा काम आ सकता है. आयुर्वेद में कहा जाता है कि, प्रदूषण की वजह से कफ और वात दोष बढ़ जाता है. जिससे सांस से जुड़ी समस्याएं बढ़ने लगती है. ऐसे में आयुर्वेद नुस्खे न सिर्फ खांसी को शांत करते हैं और फेफड़ों को भी अंदर से मजबूत बनाते हैं. तो चलिए आपको बताते हैं खांसी के लिए आयुर्वेद नुस्खे. अगर आपको दवाई के बाद भी खांसी से राहत नहीं मिल रही है को आयुर्वेदिक नुस्खा अपना सकते हैं. इसमें कई तरह की चाय हैं, जिन्हें पीने से खांसी कम होती है. इसके लिए एक गिलास गर्म पानी लें, उसमें शहद और अदरक का रस मिलाएं. इसे दिन में 3-4 बार पिएं. बता दें कि, अदरक में सूजन-रोधी गुण पाए जाते हैं, जो गले की सूजन को कम करते हैं. वहीं, शहद गले को आराम देता है. इसके अलावा मुलेठी भी खांसी से राहत दिलाने में मददगार है. मुलेठी में एंटी-इफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं. जो गले की सूजन को करने और बलगम को पतला करके बाहर निकालने में मदद करता है. आप मुलेठी के टुकड़े को चबा सकते हैं. या फिर मुलेठी पाउडर को शहद में मिलाकर खाएं. आयुर्वेदिक एक्सपर्ट किरण गुप्ता बताती हैं कि, जिन्हें पहले से ही धुएं से एलर्जी या रेस्पिरेटरी सिस्टम से जुड़ी परेशानी है. ऐसे लोग मास्क पहनकर ही घर से बाहर निकलें. इसके अलावा देसी नुस्खे जैसे रात को नाक में सरसों के तेल की बूंदे डालना भी फायदेमंद हो सकता है. आप चाहें तो सरसों के तेल को 20 मिनट मुंह में रख कर कुल्ला करें.

इस तरह पेड़ पौधे करते हैं बातें

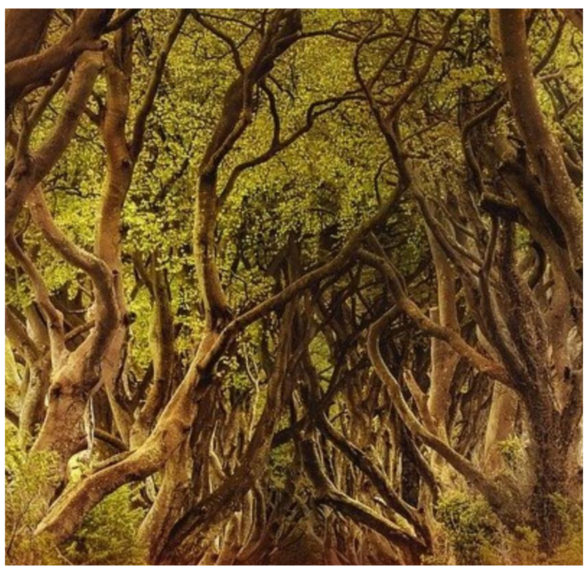

एक दिन महात्मा बुद्ध एक वृक्ष को नमन कर रहे थे। दूर खड़े एक भिक्षु ने देखा तो उसे हैरानी हुई। वह बुद्ध के पास गया और पूछा, 'भंते! आपने इस वृक्ष को नमन क्यों किया?' भिक्षु की बातें सुनकर बुद्ध ने जवाब में कहा, 'क्या इस वृक्ष को मेरे नमन करने से कुछ अनहोनी हो गई?' शिष्य बोला, 'नहीं भगवन! ऐसी बात नहीं, पर मुझे यह देखकर थोड़ी हैरानी अवश्य हुई कि आप जैसा ज्ञानी महापुरुष इस वृक्ष को नमस्कार कर रहा है, जबकि यह न तो आपकी किसी बात का उत्तर दे सकता है और न ही आपके नमन करने पर अपनी प्रसन्नता जाहिर कर सकता है।'

बुद्ध मुस्कराये और उन्होंने कहा, 'वत्स! तुम्हारा सोचना गलत है। वृक्ष भले बोलकर उत्तर न दे सकता हो, पर जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की एक भाषा होती है, उसी प्रकार प्रकृति की भी अपनी भाषा होती है। वृक्ष में भी प्राण हैं, उसकी भी अपनी भाषा है। इस वृक्ष के नीचे बैठकर मैंने साधना की है। इसकी घनी पत्तियों ने मुझे शीतलता प्रदान की है। चिलचिलाती धूप, वर्षा से इसने मेरा बचाव किया है। प्रत्येक पल इसने मेरी सुरक्षा की। इसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मेरा परम कर्तव्य है। और बात सिर्फ इस पेड़ की नहीं है।

प्रत्येक जीव को समस्त प्रकृति का कृतज्ञ होना चाहिए।' आगे बुद्ध ने समझाया, 'तुम इस वृक्ष की ओर ध्यान से देखो। इसकी हिलती हुई टहनियों को देखो, इसके हिलते हुए पत्तों को देखो। इससे आने वाली मंद-मंद हवा को महसूस करो। धीरे-धीरे तुम इससे जुड़ने लगोगे।

फिर महसूस करोगे कि ये वृक्ष बातें भी करते हैं।' बुद्ध की बात पर शिष्य ने वृक्ष को नए आलोक में देखा तो उसे अनुभव हुआ सचमुच वृक्ष की पत्तियां, शाखाएं, फूल मन को एक अद्भुत शांति प्रदान कर रहे हैं। अब शिष्य भी वृक्ष के सम्मान में झुक गया।

किचन का गलत दिशा में होना है कलह और नुकसान

किसी भी घर में रसोईघर को सिर्फ खाना पकाने की जगह नहीं, बल्कि घर की ऊर्जा और समृद्धि का केंद्र माना जाता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह स्थान घर की महिलाओं के स्वास्थ्य, पारिवारिक सुख और आर्थिक स्थिति पर सीधा असर डालता है. यही कारण है कि वास्तु में रसोई की दिशा और दशा को लेकर विशेष नियम बताए गए हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि जब रसोई सही दिशा में नहीं होती या वहां वास्तु दोष होता है, तो यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है. इस नकारात्मकता के कारण ही परिवार में कलह, सदस्यों के स्वास्थ्य में गिरावट और धन संबंधी परेशानियां (आर्थिक नुकसान) आने लगती हैं. आइए, जानते हैं वास्तु के अनुसार रसोई का गलत दिशा में होना क्यों परिवार के लिए मुसीबतें खड़ी कर सकता है. अग्नि तत्व का असंतुलन, वास्तु शास्त्र पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) पर आधारित है. रसोईघर 'अग्नि तत्व' से संबंधित है, और वास्तु के अनुसार, अग्नि का सबसे शुभ स्थान आग्नेय कोण (दक्षिण-पूर्व दिशा) है. क्यों आग्नेय कोण शुभ है? यह दिशा अग्नि के देवता को समर्पित है. जब रसोई इस दिशा में होती है, तो अग्नि तत्व संतुलित रहता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा और गर्माहट बनी रहती है. गलत दिशा में रसोई का असर: यदि रसोई घर के उत्तर, उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) या पश्चिम दिशा में होती है, तो अग्नि तत्व असंतुलित हो जाता है. उदाहरण के लिए, उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) जल तत्व का स्थान है. जल के स्थान पर अग्नि होने से तत्वों में टकराव होता है, जो सीधा नकारात्मक प्रभाव डालता है. पारिवारिक कलह: तत्वों का यह असंतुलन घर के सदस्यों, विशेषकर महिलाओं के स्वभाव में चिड़चिड़ापन, गुस्सा और बेचैनी पैदा करता है. इससे बिना वजह के झगड़े और मनमुटाव बढ़ते हैं, जिससे घर की शांति भंग होती है. स्वास्थ्य समस्याएं: गलत दिशा में बनी रसोई घर की महिलाओं (जो सबसे अधिक समय रसोई में बिताती हैं) के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है. उन्हें पाचन संबंधी रोग, तनाव और चिंताएं घेर सकती हैं.

धन और समृद्धि पर सीधा प्रभाव, रसोई को अन्नपूर्णा का स्थान और भंडार गृह भी माना जाता है, इसलिए इसका संबंध सीधे घर की आय और बरकत से होता है. उत्तरी दिशा में रसोई: उत्तर दिशा (जल और धन का क्षेत्र) में रसोई होने से आग और पानी का टकराव होता है, जिससे घर की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ता है. इससे अनावश्यक खर्चे बढ़ते हैं, धन की हानि होती है और कर्ज की समस्या भी आ सकती है. खाना बनाते समय मुख की गलत दिशा: वास्तु के अनुसार, खाना बनाते समय गृहणी का मुख पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए. दक्षिण की ओर मुख करके खाना बनाना: यह दिशा वास्तु में अत्यंत अशुभ मानी जाती है. ऐसा करने से वित्तीय समस्याएं आती हैं और धन का नुकसान होता है. पश्चिम की ओर मुख करके खाना बनाना: यह भी स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है, जिससे इलाज पर अत्यधिक खर्च होता है और अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक नुकसान होता है. मानसिक और भावनात्मक अस्थिरता, रसोई की गलत दिशा से उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा परिवार के सदस्यों के मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है. उत्तर-पश्चिम दिशा में बनी रसोई अक्सर घर के पुरुष सदस्यों के जीवन में बाधाएं और परेशानियां ला सकती है, जिससे उनके करियर और वंश वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. जब घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बाधित होता है, तो सदस्यों का मन एकाग्र नहीं रह पाता. छात्रों के मानसिक विकास पर असर पड़ता है और घर में हमेशा एक चिंता का माहौल बना रहता है.

भगवान विष्णु की जागृति का दिन

देवउठनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। क्योंकि, इस दिन भगवान विष्णु चार माह के बाद योगनिंद्रा से जागृत होते हैं। इसलिए ही इसे देवउठनी एकादशी कहा जाता है। बता दें कि आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। वहीं, कार्तिक माह से शुक्ल पक्षकी एकादसी तिथि को योगनिद्रा से जागृत होते हैं। आइए जानते हैं देवउठनी एकादशी कब मनाई जाएगी। जानें देवउठनी एकादशी की सही तारीख, महत्व और पूजा विधि। पंचांग के अनुसार, देवउठनी एकादशी तिथि का आरंभ 1 नवंबर को सुबह में 9 बजकर 12 मिनट पर होगा और 2 तारीख को रात में 7 बजकर 32 मिनट तक रहेगी। ऐसे में सूर्योदय के अनुसार देवउठनी एकादशी का व्रत 2 नवंबर को किया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार, जब भी एकादशी तिथि सूर्योदय के समय होती है तो उस दिन ही एकादशी का व्रत किया जाता है। चार माह की लंबी निद्रा के बाद जब जागते हैं तो उसी के बाद से मांगलिक कार्य शुरू होते हैं। देवउठनी एकादशी को 'प्रबोधिनी एकादशी' या 'देवोत्थान एकादशी' के नाम से भी जाना जाता है। इसी दिन से चार माह से बंद मांगलिक कार्य जैसे शादी, मुंडन, गृह प्रवेश आदि का आरंभ हो जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से इस दिन व्रत करता है या पूजा पाठ करता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में सुख समृद्धि बनी रहती है। वहीं, इस दिन पूजा करने से मां लक्ष्मी की भी विशेष कृपा बनी रहती है।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, रविवार, 26 अक्तूबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

जिले में रेत माफियाओं का काला कारोबार चरम पर...!

हजारों ब्रास रेत गायब; कुछ राजनीतिक चेहरों का मिल रहा है संरक्षण!

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली जिले में रेत माफियाओं का साम्राज्य दिन-ब-दिन फैलता जा रहा है। कुछ राजनेताओं के संरक्षण और प्रशासनिक अधिकारियों की मिलीभगत से जिले में हजारों brass रेत अवैध रूप से चोरी कर करोड़ों रुपए का काला कारोबार किया जा रहा है। इस अवैध धंधे से न सिर्फ सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है, बल्कि पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ता जा रहा है।

रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब उन्हें न तो कानून का डर है और न ही प्रशासन की परवाह। चर्चा है कि ये माफिया राजनैतिक और शासकीय क्षेत्र के कुछ प्रभावशाली लोगों को "भेंट" और "हफ्ता" देकर अपने अवैध धंधे को खुलेआम चला रहे हैं।

गढ़चिरोली जिला प्राकृतिक रूप से रेत के भंडारों से समृद्ध है। शासन की ओर से सीमित मात्रा में रेत निकालने की अनुमति दी जाती है, परंतु माफिया उस से कई गुना ज्यादा रेत अवैध रूप से निकालकर बेच रहे हैं। इन रेत से रेलमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग, शासकीय इमारतें, और सुरजागढ़ लौहखनिज परियोजना जैसे बड़े निर्माण कार्यों की आपूर्ति की जा रही है।

दुधमाला घाट क्षेत्र में शासन द्वारा एक रेत डिपो बनाया गया है। साथ ही, नदियों से लगे किसानों के खेतों में जमा रेत निकालने की अनुमति भी दी गई है। लेकिन इस घाट तक कोई अधिकृत मार्ग नहीं है, इसलिए माफियाओं ने वन विभाग की भूमि से होकर नई सड़कें बनाकर रेत की तस्करी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं, घाट से जितनी रेत उठाई गई है, उसका आधिकारिक रिकॉर्ड डिपो में दिखाए गए साठे से कई गुना कम बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, लॉयड्स मेटल्स जैसी कंपनियों को भी अनुमती से अधिक रेत की आपूर्ति की गई है। इस पूरे प्रकरण में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है, परंतु प्रशासन के कुछ अधिकारी "हफ्ते" के लालच में चुप्पी साधे बैठे हैं।

> **जब ज़िला कलेक्टर अविश्यंत पंडा से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वे जानकारी लेंगे। इसी तरह, जब रेत तस्करी के मुद्दे पर जानकारी लेने के लिए ज़िला खनिज अधिकारी इमरान शेख़ से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।**

स्थानीय स्तर पर सिर्फ औपचारिक जांचें की जाती हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। नतीजा यह कि जिले में अवैध रेत खनन खुलेआम जारी है। सरकार का करोड़ों रुपए का राजस्व डूब रहा है और नदियों की गहराई बढ़ने से भूजल स्तर भी घटता जा रहा है।

कई सामाजिक संगठन और पर्यावरण प्रेमियों ने इस अवैध खनन के खिलाफ आवाज उठाई है, लेकिन प्रशासन माफियाओं के सामने बेबस नजर आ रहा है। जिले में आम नागरिकों को रेत तीन गुना कीमत पर यानी करीब 8 हजार रुपए प्रति brass खरीदनी पड़ रही है। बिना टीपी (ट्रांजिट पास) के रेत की खुलेआम बिक्री की जा रही है, जिससे निर्माण कार्य रुक गए हैं और मजदूर बेरोजगार हो रहे हैं।

जनता का कहना है कि शासन, प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस गंभीर मुद्दे को नजरअंदाज कर रहे हैं और अवैध रेत कारोबारियों से "हफ्ता" वसूलने में व्यस्त हैं। अब जनता की मांग है कि इस पूरे रेत घोटाले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

₹ 31,000 करोड़ की 'मदद' सिर्फ ₹ 1700-1800?

> चंद्रपुर जिले के किसानों के साथ हुआ भद्दा मज़ाक!

चिमूर : शुभम बारसागडे

फसल प्रकार	घोषित मुआवजा राशि (प्रति हेक्टेयर)
जिरायत (बारिश आधारित)	₹ 8,500
बागायत (सिंचित)	₹ 17,000
बहुवर्षीय	₹ 22,500

महाराष्ट्र सरकार द्वारा जून से सितंबर 2025 के दौरान हुई भीषण अतिवृष्टि और बाढ़ से हुए फसल नुकसान के लिए 31,628 करोड़ रुपये के भव्य पैकेज की घोषणा की गई थी। इस घोषणा से विदर्भ के किसानों में उम्मीद जगी थी, लेकिन जब चंद्रपुर जिले के चिमूर तालुका के किसानों के बैंक खातों में वास्तव में राशि पहुँची, तो सारा उत्साह गुस्से में बदल गया।

21 अक्टूबर 2025 को 'क्रॉप लॉस रिलीफ' के शीर्षक के तहत अनेक किसानों को एक समान, नाममात्र की राशि—सिर्फ़ 1700 से 1800 रुपये—प्राप्त हुई है। किसानों का आरोप है कि यह राशि इतनी कम है कि यह विशाल सरकारी घोषणा "किसानों के साथ एक भद्दा मज़ाक" से ज़्यादा कुछ नहीं है।

लाखों का नुकसान, हज़ारों की भीख : चंद्रपुर जिले में इस साल सोयाबीन, कपास (कापूस) और धान (पैडी) जैसी प्रमुख फसलें बड़े पैमाने पर तबाह हो गईं। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, लाखों हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई, जिससे हज़ारों किसान परिवार बेहाल हो गए।

चिमूर तालुका के एक व्यथित किसान ने अपना दर्द व्यक्त करते हुए कहा, "धान की खेती में हमारा प्रति हेक्टेयर खर्च 50 से 60 हज़ार रुपये तक पहुँच गया था। पहले बाढ़ ने फसलें बहा दीं, और जो बचीं उन्हें रोगों ने निगल लिया। अब सरकार 1800 रुपये देकर हमारा मज़ाक उड़ा रही है!"

किसानों का कहना है कि यह तुच्छ राशि खाद और बीज का खर्च भी पूरा नहीं कर सकती। अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए एक किसान ने अत्यंत दुखभरे शब्दों में कहा, "ऐसी मदद से बेहतर है कि सरकार हमें गोली मार दे।"

वादों और वास्तविकता में ज़मीन-आसमान का अंतर : राज्य सरकार ने अपनी घोषणा में निम्नलिखित मुआवजा दरों का वादा किया था। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि इन दरों के बजाय, अधिकांश किसानों को फ्लैट 1700 से 1800 रुपये की राशि मिली है।

किसानों ने इस अपर्याप्त और अपमानजनक मुआवजे पर तीव्र नाराज़गी व्यक्त की है और इसे किसानों का सीधा अपमान करार दिया है। वे मांग कर रहे हैं कि सरकार तुरंत इस त्रुटि को सुधारे और घोषणा के अनुरूप पर्याप्त तथा सम्मानजनक वित्तीय सहायता जारी करे।

'राम भरोसे' नेरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र!

'डॉक्टर' की मनमानी से मरीज़ों की जान दांव पर, अधिकारी का अभद्र व्यवहार, इलाज के अभाव में लौटाए जा रहे मरीज़, विधायक से की शिकायत

चिमूर.

एक तरफ जहाँ सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घोर अराजकता और गैर-जिम्मेदारी की मिसाल बने हुए हैं। नतीजन, मरीज़ों को बिना इलाज वापस लौटना पड़ रहा है। नेरी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति बेहद गंभीर है, जहाँ कार्यरत चिकित्सा अधिकारी मरीज़ों और कर्मचारियों के साथ लगातार अभद्र और अशिष्ट व्यवहार कर रहे हैं। इस गंभीर मामले को लेकर क्षेत्र के विधायक को एक शिकायत ज्ञापन सौंपा गया है।

हादसे के मरीज़ की जान से खिलवाड़, डॉक्टर रहे नदारद : हाल ही में, नेरी पि.एच.सी में एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया। दो दिन पहले नागेश डांगे नामक व्यक्ति का दुर्घटना हो गई और उन्हें तुरंत अस्पताल लाया गया। उस महत्वपूर्ण समय पर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोई भी कर्मचारी या डॉक्टर मौजूद नहीं था। मरीज़ की गंभीर हालत को देखते हुए, उन्हें तत्काल चिमूर रेफर किया गया, और बाद में चंद्रपुर भेजकर ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। सूत्रों के अनुसार, मरीज़ को रेफर करने के लगभग आधे घंटे बाद चिकित्सा अधिकारी अस्पताल पहुँचे। समय पर उपचार न मिलने के कारण मरीज़ की जान को जोखिम में डाला गया।

ज़रूरतमंदों को भी समय पर इलाज नहीं : नेरी पि.एच.सी पर केवल दुर्घटनाग्रस्त ही नहीं, बल्कि आसपास के कई गाँवों के गरीब और ज़रूरतमंद मरीज़ भी उपचार के लिए निर्भर रहते हैं। लेकिन उन्हें भी समय पर इलाज नहीं मिल रहा है। कई बार मरीज़ों को डॉक्टरों का घंटों इंतज़ार करना पड़ता है। विशेष रूप से छोटे बच्चों, बुज़ुर्गों और गर्भवती महिलाओं को इस लचर व्यवस्था के कारण भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

पिछले साल भी डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण इसी अस्पताल में मरीज़ों की मौत की घटनाएँ सामने आई थीं, जिसके बाद कई आंदोलन भी हुए। लेकिन नेरी पि.एच.सी की यह अराजकता खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। सवाल यह है कि इस जानलेवा लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है?

वरिष्ठ प्रशासन का मौन क्यों? सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि यह स्थिति मरीज़ों की जान से खिलवाड़ करने जैसी है। बार-बार शिकायतें करने के बावजूद, ज़िला स्वास्थ्य विभाग जानबूझकर इस गंभीर विषय पर आँखें मूंदे हुए है। नागरिकों ने कड़ी चेतावनी दी है कि नेरी पि.एच.सी के प्रबंधन को सुधारने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए और अभद्र व्यवहार करने वाले चिकित्सा अधिकारी के ख़िलाफ़ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। अगर जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया गया, तो क्षेत्र में एक बड़ा जन आंदोलन छेड़ा जाएगा।

कूलर का करंट लगने से युवक की मौके पर मौत...

वैरागढ़.

वैरागढ़ से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित करपड़ा गांव में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे एक युवक की कूलर से करंट लगने के कारण दर्दनाक मौत हो गई। मृत युवक का नाम रोशन गोविंदा पावले (आयु 26 वर्ष) बताया गया है। सुबह वह अपने बीमार पिता को अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहा था। नहाने के बाद जब वह घर में आया तो उसने नायलॉन की रस्सी पर टंगा टी-शर्ट निकालने की कोशिश की। इस दौरान टी-शर्ट हाथ से गिर गया और उसे उठाने के लिए झुकते समय उसका हाथ पास में रखे कूलर की बॉडी से छू गया, जिससे उसे जोरदार करंट लगा और वह मौके पर ही गिर पड़ा। परिजनों ने तुरंत उसे वैरागढ़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

अधूरा रह गया पुलिस भर्ती का सपना...

रोशन शारीरिक रूप से सक्षम और मेहनती युवक था। वह पिछले कई महीनों से पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। मगर इस दर्दनाक हादसे ने उसका पुलिस में जाने का सपना अधूरा छोड़ दिया। इस घटना से करपड़ा गांव और आसपास के इलाके में शोक की लहर है।

रोमांचक रेस्क्यू ऑपरेशन: 8 फीट के विशाल अजगर को सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया

चंद्रपूर/चिमूर

शेगाव बु. के नज़दीक, बिजोनी-मोरवा रोड से सटे छत्रूघन पुसनाके के खेत में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां 8 फीट लंबा एक विशाल अजगर देखा गया। इतनी बड़ी सर्प प्रजाति को खेत में देखकर लोगों ने तुरंत सर्पमित्र राकेश भुतकर को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही सर्पमित्र राकेश भुतकर ने बिना किसी देरी के मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। उन्होंने अपनी गज़ब की दक्षता और कुशलता का प्रदर्शन करते हुए, इस 8 फीट लंबे अजगर को बड़ी सावधानी के साथ पकड़ने में सफलता प्राप्त की। इस सफल ऑपरेशन के बाद, अजगर को कोई नुकसान पहुंचाए बिना मेसा कक्ष क्रमांक 12 के घनघोर जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया और उसे नई ज़िंदगी दी गई। इस सराहनीय कार्य में वन विभाग के कर्मचारी जितेंद्र लोणकर, सर्पमित्र राकेश भुतकर, वन मज़दूर अतुल गायकवाड़, और सहयोगी मित्र अजय ढोक, सतीश नन्नावरे, प्रणय वाढई, सचिन निखारे और कुंदन खंगार ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह घटना वन्यजीवों के प्रति जागरूकता और मानवीय संवेदनशीलता का शानदार उदाहरण है।

गढ़चिरोली शहर में अवैध शराब बिक्री का बड़ा मामला

हर गली-नुक्कड़ पर खुला नशे का कारोबार, प्रशासन ने कहा कार्रवाई जारी

गढ़चिरोली. गढ़चिरोली शहर के पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री खुलेआम जारी है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया है कि कुछ पुलिसकर्मी इस अवैध कारोबार के लिए अप्रत्यक्ष रूप से सहायक बने हुए हैं। शहर के कई गली-नुक्कड़, चौक और सार्वजनिक स्थानों पर शराब का धंधा निर्भीक तरीके से चल रहा है, जिससे कानून और व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

नागरिकों का आक्रोश और चेतावनी : स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध शराब के कारण युवाओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है और अपराध दर में भी इजाफा हो रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से सख्त कार्रवाई और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। नागरिकों ने चेतावनी दी कि यदि इस समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सामाजिक संगठनों ने भी अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा कि यह शहर के सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रभावित कर रहा है और कानून के प्रति नागरिकों के भरोसे को कमजोर कर रहा है।

पुलिस और प्रशासन की प्रतिक्रिया : इस मामले पर गडचिरोली पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शहर में अवैध शराब की बिक्री को लेकर लगातार सर्च और छापेमारी अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी आरोपी व्यक्ति या स्थान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन मिलकर शहर में सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने के लिए विशेष टीमों का गठन कर रहे हैं, ताकि अवैध कारोबार को रोका जा सके और शहर का सामाजिक माहौल सुरक्षित बना रहे।

विशेषज्ञों की राय : विशेषज्ञों का मानना है कि अवैध शराब के ठिकानों पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी बढ़ाना, पुलिस की सक्रियता और नागरिक सहभागिता बेहद जरूरी है। यदि प्रशासन समय रहते प्रभावी कदम उठाए तो गडचिरोली शहर को इस समस्या से निजात दिलाई जा सकती है।

नागरिकों की मांग : नागरिक और सामाजिक संगठन शहर में अवैध शराब की बिक्री को पूरी तरह बंद करने और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे न केवल अपराध दर कम होगी बल्कि शहर का सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल भी सुधरेगा।

गढ़चिरोली पुलिस की पहल 'एक गांव, एक वाचनालय'

> अभियान के तहत मौजा वांगेतुरी में 73वें सार्वजनिक वाचनालय का लोकार्पण

गढ़चिरोली.

गडचिरोली पुलिस की अनोखी पहल "एक गांव, एक वाचनालय" अभियान के अंतर्गत हेडरी उपविभाग के मौजा वांगेतुरी गांव में 73वें सार्वजनिक वाचनालय का भव्य उद्घाटन एवं लोकार्पण पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल के शुभहस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक, विद्यार्थी, अधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

ग्रंथदिंडी में छात्रों और नागरिकों की उत्साही भागीदारी : कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ग्रंथदिंडी (पुस्तक यात्रा) से हुई। इस यात्रा में सैकड़ों विद्यार्थियों और नागरिकों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर, ढोल-ताशों के साथ उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं में पठन की आदत और पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था।

श्रमदान और लोकवर्गणी से बना आधुनिक वाचनालय : मौजा वांगेतुरी में तैयार किया गया यह वाचनालय पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके निर्माण में गडचिरोली पुलिस दल, सीआरपीएफ, एसआरपीएफ के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान और लोकवर्गणी के माध्यम से सहयोग किया।

वाचनालय में अध्ययन कक्ष, बैठक व्यवस्था, टेबल-खुर्सियाँ, पुस्तक रैक और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस वाचनालय से आसपास के सैकड़ों विद्यार्थी एवं नागरिकों को अध्ययन का उत्तम वातावरण मिलेगा और युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरणा भी मिलेगी।

अभियान से अब तक 8500 से अधिक लोगों को लाभ : वर्ष 2023 से आरंभ हुए "एक गांव, एक वाचनालय" अभियान के माध्यम से अब तक जिले के दुर्गम क्षेत्रों में 72 वाचनालय स्थापित किए जा चुके हैं।

इन वाचनालयों से लगभग 8500 से अधिक विद्यार्थी और नागरिक लाभान्वित हुए हैं। अब तक इस पहल से 205 विद्यार्थियों ने विभिन्न सरकारी विभागों में भर्ती होकर सफलता हासिल की है। इस पहल के परिणामस्वरूप पिछले पाँच वर्षों में गडचिरोली जिले से एक भी युवक या युवती माओवादी संगठन में शामिल नहीं हुई, जो इस परियोजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल का संदेश : अपने मार्गदर्शन भाषण में पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने कहा,की "यह वाचनालय विद्यार्थियों और नागरिकों के लिए ज्ञान का केंद्र बने, यही हमारा उद्देश्य है। इस सुविधा का अधिकतम लाभ लेकर क्षेत्र के युवा प्रशासनिक सेवाओं में आगे बढ़ें। गडचिरोली पुलिस दल केवल माओवाद के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ रहा, बल्कि जिले के सर्वांगीण विकास और नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी सतत प्रयत्नशील है।"

CMYK

टैरिफ के बावजूद देश की आर्थिक रफ्तार नहीं रुकेगी

नई दिल्ली.

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि आने वाले सालों में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा. अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूई ओ) रिपोर्ट में आईएमएफ ने भारत की 202526 की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.6% लगाया है, जो चीन के 4.8% से काफी ज्यादा है. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की मजबूत पहली तिमाही की परफॉर्मेंस ने अमेरिका की तरफ से लगाए गए ऊंचे टैरिफ (शुल्क) के असर को भी बेअसर कर दिया. अप्रैल की तुलना में इस बार का अनुमान बढ़ा है, जो दिखाता है कि भारत की अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत और लचीली है, भले ही ग्लोबल लेवल पर अनिश्चितता बनी हुई है. आईएमएफ ने कहा कि भारत की ग्रोथ का आधार घरेलू खपत, मैन्युफैक्चरिंग में तेजी और सर्विस सेक्टर का विस्तार है. हालांकि रिपोर्ट में चेतावनी भी दी गई है कि 2026 में भारत की ग्रोथ थोड़ी घटकर 6.2% रह सकती है, क्योंकि शुरुआती रफ्तार आगे चलकर कुछ कम हो सकती है. आईएमएफ के मुताबिक, यह बढ़ा हुआ अनुमान मुख्य रूप से एफवाय 26 की मजबूत शुरुआत का नतीजा है, न कि हालिया टैरिफ फैसलों से कोई सीधा फायदा.एफवाय25 में भारत की जीडीपी 6.5% रही और एफवाय26 के लिए सरकार ने 6.36.8% का लक्ष्य तय किया है. आईएमएफ ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत और चीन पर लगाए गए ऊंचे टैरिफ का असर उतना बड़ा नहीं पड़ा, जितनी आशंका थी. भारत की मजबूत घरेलू मांग, मैन्युफैक्चरिंग में तेजी और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट ने झटका संभाल लिया.

रिपोर्ट में कहा गया है, टैरिफ का असर उम्मीद से हल्का रहा, क्योंकि भारत ने ट्रेड डाइवर्सिफिकेशन और लोकल डिमांड के जरिए झटके को झेल लिया. रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक महंगाई घट रही है, लेकिन असमान रूप से. अमेरिका में कीमतों का दबाव अभी भी बना हुआ है, जबकि कई देशों में महंगाई नियंत्रण में है. आईईएमओएफ ने चेतावनी दी कि लंबे समय की अनिश्चितता, प्रोटेक्शनिज्म और रोजगार बाज़ार में झटके ग्रोथ को कमजोर कर सकते हैं.

सरकार ने कस्टम नियमों में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली.

भारत सरकार के रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने 24 अक्टूबर 2025 को नया कस्टम नोटिफिकेशन नंबर 45/2025 जारी किया है, जिसमें सरकार ने कस्टम नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए 31 पुरानी कस्टम नोटिफिकेशन्स को एक कंसॉलिडेटेड नोटिफिकेशन में मर्ज कर दिया है. ये नया रूल 1 नवंबर 2025 से लागू होगा. जिसका मकसद इम्पोर्ट पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी के पुराने और कॉम्प्लिकेटेड रूल्स को खत्म करके एक नया और सिंपल सिस्टम लागू करना है.

सीबीआईसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ इंडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स) ने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि सीबीआईसी ने एक और ट्रेड फॅसिलिटेशन मेजर शुरू किया है. सौर और पवन ऊर्जा- सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और इनके पार्ट्स पर टैक्स में छूट दी गई है. इस से ग्रीन एनर्जी मिशन को बढ़ावा मिलेगा. इलेक्ट्रिक व्हीकल (इवीस)- बैटरी, मोटर और चार्जिंग उपकरण पर ड्यूटी घटाई गई है ताकि इवि इंडस्ट्री को फायदा हो.

दवा और स्वास्थ्य क्षेत्र- गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाओं, वैक्सीन और उपकरणों परपूरी तरह से टैक्स छूट दी गई है. रिसर्च और एजुकेशन- वैज्ञानिक प्रयोग और अनुसंधान के लिए आयात किए जाने वाले उपकरणों को भी छूट दी गई है. पेट्रोलियम और गैस सेक्टर- तेल और गैस खोजने से जुड़े उपकरणों पर भी राहत दी गई है, जिससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा. निर्यातकों को फायदा- जो कंपनियां कच्चा माल आयात करके तैयार माल विदेश भेजती हैं, उन्हें ड्यूटी में छूट दी जाएगी. बशर्ते कि वे 12 महीनों के अंदर निर्यात कर दें. स्वास्थ्य और मानवीय योजनाएं- डब्ल्यूएचओ या यूएनएसईओ जैसी संस्थाओं से आने वाली दवाइयों और टीकों पर कोई टैक्स नहीं लगेगा. यह सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के लिए राहत है.

विमानन और तेल खोज परियोजनाएं- हवाई जहाजों की मरम्मत, स्पेयर पार्ट्स और ऑफशोर ऑयल ड्रिलिंग से जुड़ी मशीनों पर भी टैक्स में छूट जारी रहेगी. सरकार ने 1957 से लेकर 2025 तक जारी किए गए करीब 30 से ज्यादा पुराने नोटिफिकेशन रद्द कर दिए हैं. अब इन सबकी जगह एक ही नया नोटिफिकेशन रहेगा. इससे नियमों में स्पष्टता आएगी और वह आसान होंगे. इस नोटिफिकेशन में अलग-अलग सेक्टर के लिए कस्टम ड्यूटी में छूट दी गई है, ताकि भारत में उद्योग और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिल सके.

मुकेश अंबानी ने फेसबुक के साथ की साझेदारी

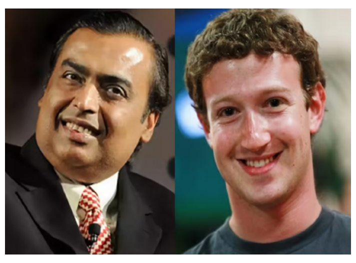

नई दिल्ली. देश के दिग्गज बिजनेसमैन मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है. कंपनी ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई फेसबुक ओवरसीज इंक के साथ ज्वाइंट वेंचर करने की घोषणा की है. इस नए उद्यम का नाम रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड (आरईआईएल) होगा, जिसमें रिलायंस की 70 प्रतिशत और फेसबुक की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी. आरआईएल ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि 24 अक्टूबर 2025 को उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस इंटेलिजेंस लिमिटेड ने आरईआईएल का गठन किया. यह कंपनी भारत में निगमित हुई है और इसका मुख्य उद्देश्य एंटरप्राइज एआई सेवाओं का विकास, मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन करना होगा. संयुक्त उद्यम समझौते के तहत, रिलायंस इंटेलिजेंस और फेसबुक ओवरसीज मिलकर कुल 855 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी लगाएंगे. हिस्सेदारी के अनुपात में रिलायंस अधिकांश राशि वहन करेगी, जबकि फेसबुक शेष 30 प्रतिशत का निवेश करेगी.

कंपनी ने स्पष्ट किया कि आरईआईएल के गठन के लिए किसी सरकारी या नियामक मंजूरी की आवश्यकता नहीं पड़ी, जिससे प्रक्रिया तेजी से पूरी हुई. आरईआईएल का ध्यान बड़े कारोबारों के लिए कस्टमाइज्ड एआई समाधान तैयार करने पर होगा. इसमें डेटा एनालिटिक्स, ऑटोमेशन, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग और स्मार्ट डिसीजन सपोर्ट सिस्टम शामिल होंगे. विशेषज्ञों का मानना है कि यह साझेदारी भारतीय उद्योगों को वैश्विक स्तर की एआई तकनीक उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगी. यह कदम रिलायंस के डिजिटल और टेक्नोलॉजी विस्तार की रणनीति का हिस्सा है. पहले जियो के जरिए टेलीकॉम क्रांति लाने वाली कंपनी अब एआई और क्लाउड कंप्यूटिंग में भी नेतृत्व करना चाहती है. मेटा के साथ यह गठजोड़ रिलायंस को वैश्विक एआई इकोसिस्टम में मजबूत स्थान दिलाएगा. साल 2020 में फेसबुक ने जियो प्लेटफॉर्म्स में 5.7 बिलियन डॉलर यानी करीब 43,574 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट किया था, जिससे यह सबसे बड़ा माइनॉरिटी शेयरहोल्डर्स बन गया. जून 2020 में भारतीय कॉम्पिटिशन कमीशन द्वारा अप्रूव्ड इस इन्वेस्टमेंट ने फेसबुक को जिओ प्लेटफॉर्म्स में 9.99% स्टेक दिया.

छोटे निवेश से बड़ी सुरक्षा, डिजिटल गोल्ड का फायदा

नई दिल्ली. सोने में निवेश भारतीयों की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन अब वक्त के साथ सोना खरीदने का तरीका बदल गया है. पहले लोग फिजिकल गोल्ड यानी आभूषण या सिक्के खरीदते थे, लेकिन अब लोग डिजिटल गोल्ड की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं. यह आधुनिक और सुविधाजनक तरीका है, जिसमें न तो स्टोरेज की टेंशन होती है और न ही चोरी का डर. लेकिन निवेश करने से पहले इसके कुछ अहम पहलुओं को समझना जरूरी है. डिजिटल गोल्ड 24 कैरेट यानी 99.99%

शुद्ध सोना होता है. इसमें मेकिंग चार्ज या वेस्टेज का झंझट नहीं होता और इसे सुरक्षित, बीमित वॉल्ट्स में रखा जाता है. सबसे बड़ी बात यह है कि आप कभी भी 24 घंटे और 7 दिन किसी भी राशि में सोना खरीद या बेच सकते हैं. चाहे 1 रुपए हो या10 लाख रुपए, जितनी क्षमता हो उतनी रकम से शुरुआत की जा सकती है. चाहें तो आगे चलकर सिक्कों या बार्स के रूप में इसकी फिजिकल डिलीवरी भी ली जा सकती है. ज्यादातर लोग सोचते हैं कि डिजिटल गोल्ड में सिर्फ 3% जीएसटी देना होता है, लेकिन इसके अलावा कई छिपे हुए खर्चे भी होते हैं. इनमें प्लेटफॉर्म डिस्ट्रीब्यूशन फीस, यूपीआई या पेमेंट गेटवे चार्ज, स्टोरेज और कस्टडी फीस, तथा डिलीवरी चार्ज शामिल हैं. शुरुआत में ये रकम छोटी लग सकती है, लेकिन लंबे समय में यह निवेश की कुल लागत को बढ़ा सकती है. इसलिए खरीदारी से पहले इन सभी शुल्कों को अच्छी तरह समझना जरूरी है. डिजिटल गोल्ड की सुरक्षा काफी हद तक उस प्लेटफॉर्म और उसके वॉल्ट पार्टनर पर निर्भर करती है, जहां आप निवेश कर रहे हैं. कुछ कंपनियां अपने वॉल्ट्स की थर्ड पार्टी से ऑडिट कराती हैं और रिपोर्ट सार्वजनिक करती हैं, जबकि कुछ नहीं करतीं. इसलिए निवेश से पहले यह देख लें कि प्लेटफॉर्म कितना पारदर्शी है और उसकी विश्वसनीयता क्या है.

महंगे हुए रोजमर्रा के सामान

नई दिल्ली. बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी कौंसिल की बैठक नई दिल्ली में हुई। यह बैठक जीएसटी कौंसिल की 56वीं बैठक थी। इस बीच जीएसटी स्लैब को लेकर मोदी सरकार ने बड़ा फैसला किया। जीएसटी स्लैब से 12% और 28% को समाप्त कर दिया गया। वहीं, अब इसमें केवल 5 फीसदी और 18 फीसदी की स्लैब रहेंगी। इसके अलावा लक्जरी और तंबाकू की चीजों पर 40 फीसदी जीएसटी लागू होंगे। 40 फीसदी वाली नई स्लैब बनाई गई है। जीएसटी कौंसिल की बैठक के बाद प्रेस वार्ता में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, जीएसटी दरों की श्रेणी में 40% के विशेष दर का प्रावधान किया गया है। अब पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पाद पर जीएसटी दर 40% होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि, "पान मसाला, गुटखा, सिगरेट, तंबाकू, ज़र्दा, बीड़ी जैसे उत्पादों को छोड़कर सभी वस्तुओं की जीएसटी दरों में बदलाव 22 सितंबर 2025 से लागू होंगे। मिली जानकारी के अनुसार, स्पेसिफ़िएड वस्तुओं जैसे सिगरेट, जर्दा जैसे चबाने वाले तंबाकू उत्पाद, अनिर्मित तंबाकू और बीड़ी के लिए जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर (कंपनसेशन सेस) की मौजूदा दरें लागू रहेंगी और नई दरें बाद में अधिसूचित की जाने वाली तारीख पर लागू की जाएंगी, जो क्षतिपूर्ति उपकर के कारण संपूर्ण ऋण और ब्याज देनदारियों के भुगतान पर आधारित होंगी। अब आइए जानते हैं कि ये 40 फीसदी का जीएसटी किन-किन सामानों पर लागू होने वाला है. वित्त मंत्री ने बताया है कि सिन गुड्स पर 40 फीसदी का जीएसटी लगेगा। सिन गुड्स मतलब कि वैसे सामान जो आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जैसे - पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पाद।

सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में किया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली. शेयर बाजार की रेगुलेटरी बॉडी सेबी ने म्यूचुअल फंड को लेकर बड़ा ऐलान किया है. म्यूचुअल फंड प्री-आईपीओ शेयर प्लेसमेंट में भाग नहीं ले सकते. इंडस्ट्री बॉडी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया को लिखे एक पत्र में कैपिटल मार्केट रेगुलेटर ने इन एसेट मैनेजर्स को निर्देश दिया है कि वे केवल आईपीओ के एंकर इन्वेस्टर हिस्से या पब्लिक इश्यू में ही निवेश करें. सेबी ने म्यूचुअल फंड विनियम, 1996 की सातवीं अनुसूची के खंड 11 का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि इक्विटी शेयरों और इक्विटी-संबंधित उपकरणों में म्यूचुअल फंड योजनाओं द्वारा सभी निवेश केवल उन प्रतिभूतियों में किए जाने चाहिए जो सूचीबद्ध हैं या सूचीबद्ध होने वाली हैं. नियामक ने कहा कि यह स्पष्टीकरण तब जारी किया गया जब उसे कई प्रश्न मिले कि क्या म्यूचुअल फंड एंकर या पब्लिक इश्यू खुलने से पहले प्री-आईपीओ प्लेसमेंट में भाग ले सकते हैं.

नियामक ने चेतावनी दी कि अगर आईपीओ में देरी होती है या रद्द कर दिया जाता है, तो ऐसी भागीदारी से म्यूचुअल फंड गैर-सूचीबद्ध शेयरों को होल्ड कर सकते हैं. सेबी ने स्पष्ट किया कि इक्विटी शेयरों और इक्विटी से संबंधित उपकरणों के आईपीओ के मामले में, म्यूचुअल फंड की योजनाएं केवल एंकर इन्वेस्टर हिस्से या पब्लिक इश्यू में ही भाग ले सकती हैं. नियामक ने एएमएफआई से कहा है कि वह सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को तुरंत यह निर्देश दें और इसे फॉलो करें.

सेबी के इस कदम का फायदा आम निवेशकों को मिलेगा. चूंकि फंड मार्केट काफी बड़ा है. आम निवेशक शेयरों में रिस्क की वजह से पैसा न डाल कर यहां सेफ रिटर्न के लिए निवेश करते हैं. पहले फंड मैनेजर्स प्री-आईपीओ में सस्ते शेयर खरीदते थे, लेकिन अगर कंपनी का आईपीओ कैंसल हो जाता तो आपका पैसा अनलिस्टेड शेयरों में फंस जाता था.

उज्ज्वला योजना से क्लीन एनर्जी को बड़ा फायदा

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) ने भारत में घरों में होने वाले वायु प्रदूषण, स्वच्छ ऊर्जा और लैंगिक समानता पर चर्चा का पूरा परिदृश्य बदल दिया है. यह योजना गरीब आबादी तक लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) पहुंचाने में बड़ी सफलता हासिल कर चुकी है. 2016 में शुरू की गई यह योजना देशभर में घरों में स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए बनाई गई थी. 2023 तक, इस योजना के तहत 1 करोड़ से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है. पीएमयूवाई की सफलता का राज इसके एलपीजी की पहुंच बढ़ाने की रणनीति में है.

महाराष्ट्रलक्ष्मी विकली लॉटरी

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत दर शनिवारी | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत क्र. 43 | सोडत दिनांक 25/10/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 8 लाख — **ML-01 : 1769**

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — **3295**

अंबिका एजन्सी - दादर, मुंबई
महाराजा असोसिएट्स - इचलकरंजी
श्री गणेश कृपा - नेरुळ

बक्षिस							
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1938	3640	5024	5692	6417	7683	7963
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	1578	2561	2974	3442	3865	4804	5350
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	3974	4297	4331	5886	6545	7507	7666
सहावे बक्षिस रु. 200/-	1629	2510	4746	6287	6621	6821	7271

सातवे बक्षीस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1972	2452	2963	3412	3836	4446	5105	5507	5885	6486	6911	7555
		1989	2458	2974	3413	3837	4451	5110	5515	5924	6569	6926	7562
		2006	2470	2992	3433	3868	4453	5136	5527	5951	6576	6952	7571
1011	1355	2022	2490	3013	3435	3900	4461	5165	5535	5953	6578	6961	7573
1017	1374	2023	2512	3030	3436	3909	4469	5168	5548	5959	6588	6966	7575
1077	1386	2024	2522	3032	3439	3930	4472	5169	5556	5975	6604	6968	7587
1108	1434	2035	2527	3036	3446	3934	4473	5191	5572	5985	6614	6997	7592
1110	1437	2095	2556	3037	3459	3937	4476	5193	5574	5997	6618	6998	7612
1120	1443	2123	2582	3052	3469	3958	4497	5202	5577	6006	6621	7064	7627
1124	1445	2126	2602	3073	3483	3975	4500	5215	5578	6015	6630	7070	7628
1128	1448	2132	2620	3083	3493	4025	4510	5217	5579	6018	6632	7071	7631
1142	1479	2140	2622	3093	3528	4050	4584	5238	5593	6030	6633	7076	7644
1154	1517	2178	2629	3113	3532	4051	4608	5245	5613	6038	6637	7147	7696
1156	1556	2199	2633	3120	3545	4114	4610	5249	5630	6048	6649	7149	7703
1165	1558	2202	2665	3140	3550	4131	4639	5259	5637	6056	6651	7160	7704
1168	1572	2217	2682	3144	3554	4172	4643	5264	5646	6060	6654	7162	7708
1169	1603	2219	2701	3188	3560	4176	4648	5272	5649	6061	6655	7167	7717
1181	1623	2220	2707	3197	3574	4180	4725	5298	5662	6063	6670	7175	7734
1196	1629	2223	2720	3234	3588	4194	4754	5320	5671	6068	6672	7197	7744
1201	1643	2225	2728	3239	3591	4202	4786	5327	5672	6081	6675	7259	7750
1216	1704	2234	2734	3246	3619	4212	4794	5346	5675	6085	6678	7273	7759
1217	1714	2240	2771	3290	3624	4281	4840	5355	5686	6138	6683	7297	7761
1220	1728	2244	2822	3300	3631	4282	4842	5360	5714	6166	6697	7360	7765
1238	1730	2247	2823	3304	3633	4296	4846	5367	5736	6205	6701	7368	7772
1248	1778	2254	2828	3306	3634	4301	4873	5393	5775	6245	6708	7378	7777
1250	1782	2275	2829	3311	3636	4302	4884	5401	5785	6255	6729	7397	7778
1257	1791	2282	2830	3317	3643	4320	4898	5412	5795	6286	6740	7402	7781
1258	1800	2285	2873	3321	3668	4346	4918	5415	5805	6323	6763	7404	7784
1269	1801	2292	2880	3330	3694	4353	4920	5420	5819	6345	6764	7409	7789
1298	1813	2294	2888	3331	3703	4354	4924	5425	5826	6350	6765	7419	7797
1304	1815	2295	2892	3337	3733	4366	4942	5434	5831	6372	6781	7431	7807
1311	1826	2299	2893	3353	3771	4379	4949	5441	5840	6400	6823	7477	7829
1314	1829	2313	2909	3360	3782	4380	4974	5445	5848	6408	6828	7480	7879
1315	1899	2382	2920	3365	3789	4386	4984	5469	5851	6453	6831	7488	7891
1319	1901	2388	2922	3375	3797	4419	5010	5482	5852	6459	6833	7490	7921
1335	1913	2423	2928	3388	3803	4423	5011	5485	5854	6460	6844	7510	7958
1336	1920	2428	2937	3398	3814	4437	5029	5488	5855	6463	6861	7514	7967
1337	1921	2429	2948	3401	3832	4439	5056	5497	5860	6465	6865	7538	7971
1345	1961	2445	2950	3405	3833	4442	5100	5505	5880	6477	6867	7544	7978

महाराष्ट्र दिवाळी भव्यतम सोडत — पहिले बक्षिस ₹ 2 करोड (₹ 1 करोड x 2 बक्षिसे) — 2 बक्षिसांपैकी किमान 1 बक्षिस हमीपात्र — दुसरे बक्षिस ₹ 10 लाख (₹ 1 लाखाची x 10 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजाराची x 30 बक्षिसे) — जिंका फक्त 5 अंकांवर — सोडत दिनांक 01.11.2025 — तिकीट किंमत ₹ 200/-

महाराष्ट्रलक्ष्मी सोडत दिनांक 25/10/2025 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. | प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagencymah : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी शनि विकली लॉटरी

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर शनिवार • सोडत क्रमांक 43 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 25/10/2025

पहिले बक्षिस रु. 10,000/- — **GL-03 : 3950**

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस										
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1035	3091	4252	4701	4726	4858	6057	6586	7378	8685
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1830	3390	3886	4272	5648	9011	9185	9414	9832	9934
चौथे बक्षिस रु. 500/-	0483	1301	2478	2701	3909	4329	5450	6563	8840	9473

पाचवे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

पाचवे बक्षिस रु. 300/-	0966	2010	3415	4354	5164	5822	6859	7714	8393	9141
0035	1126	2028	3478	4382	5165	5925	6868	7719	8532	9197
0101	1146	2077	3505	4405	5246	5963	6949	7726	8558	9198
0172	1156	2126	3609	4451	5265	5965	6954	7739	8574	9204
0203	1187	2219	3615	4540	5298	6049	6969	7756	8585	9279
0217	1194	2252	3634	4558	5347	6134	6985	7817	8711	9294
0233	1203	2424	3639	4581	5380	6161	6986	7831	8775	9359
0271	1365	2465	3652	4640	5445	6166	7127	7833	8805	9399
0306	1433	2474	3763	4648	5457	6205	7142	7834	8807	9427
0343	1520	2528	3836	4695	5507	6222	7208	7852	8808	9468
0390	1651	2609	3883	4734	5510	6266	7292	7858	8865	9523
0504	1674	2682	3889	4783	5514	6298	7321	7867	8876	9524
0506	1715	2747	3913	4827	5515	6382	7358	7933	8884	9569
0507	1718	2782	3984	4924	5550	6496	7381	7988	8887	9595
0595	1791	2838	4044	4953	5551	6564	7387	8012	8954	9793
0710	1860	3003	4049	4963	5560	6567	7457	8032	8960	9839
0712	1880	3066	4058	5005	5605	6644	7475	8128	9009	9906
0852	1903	3088	4068	5046	5655	6657	7515	8142	9038	9907
0867	1908	3236	4094	5076	5661	6685	7575	8188	9066	9919
0918	1912	3313	4135	5097	5750	6731	7605	8226	9069	9935
0937	1913	3334	4204	5114	5765	6736	7636	8391	9132	9983

महाराष्ट्र दिवाळी भव्यतम सोडत — पहिले बक्षिस ₹ 2 करोड (₹ 1 करोड x 2 बक्षिसे) — 2 बक्षिसांपैकी किमान 1 बक्षिस हमीपात्र — दुसरे बक्षिस ₹ 10 लाख (₹ 1 लाखाची x 10 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजाराची x 30 बक्षिसे) — जिंका फक्त 5 अंकांवर — सोडत दिनांक 01.11.2025 — तिकीट किंमत ₹ 200/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी शनि विकली लॉटरी सोडत दिनांक 25/10/2025 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे | प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

गणेशलक्ष्मी समृद्धी विकली लॉटरी

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत सायं. 5:00 वाजता

सोडत दर शनिवार • सोडत क्रमांक 43 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 25/10/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — **MG-04 : 3430**

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1250 | 2008 | 4339 | 5384 | 5519

ओम गं गणपतेय नमः लॉटरी - पुणे

बक्षिस										
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	2487	2849	3028	3931	5387	5731	5863	6926	7515	8803
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1916	1999	2806	5044	5324	6604	7531	7629	9490	9615

पाचवे बक्षीस रु. 200/- (सर्व मालिकांसाठी)

0019	0850	1731	2979	3996	5397	6518	7328	8184	8886
0033	0868	1856	2982	4204	5524	6523	7345	8312	8930
0039	0884	1923	3093	4473	5536	6629	7517	8342	9008
0042	0984	2172	3118	4474	5552	6634	7571	8345	9179
0047	1053	2227	3119	4547	5591	6648	7594	8384	9312
0057	1128	2411	3193	4596	5622	6682	7730	8432	9319
0080	1142	2428	3233	4664	5678	6689	7731	8547	9369
0303	1200	2520	3302	4673	5700	6719	7760	8590	9419
0378	1229	2523	3338	4791	6009	6768	7789	8603	9666
0416	1331	2555	3371	4843	6022	7018	7879	8684	9756
0466	1346	2688	3384	4949	6064	7107	7919	8686	9809
0549	1381	2760	3841	5005	6259	7118	8125	8688	9869
0744	1476	2852	3862	5178	6318	7267	8137	8782	9910
0807	1685	2948	3895	5278	6397	7278	8139	8801	9966

महाराष्ट्र दिवाळी भव्यतम सोडत — पहिले बक्षिस ₹ 2 करोड (₹ 1 करोड x 2 बक्षिसे) — 2 बक्षिसांपैकी किमान 1 बक्षिस हमीपात्र — 10 लाख — 3 लाख — जिंका फक्त 5 अंकांवर — सोडत दिनांक 01.11.2025 — तिकीट किंमत ₹ 200/-

गणेशलक्ष्मी समृद्धी विकली लॉटरी सोडत दिनांक 25/10/2025 | प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र सह्याद्री — प्रभालक्ष्मी विकली लॉटरी

निकाल | महाराष्ट्र राज्य लॉटरी | सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर शनिवार • सोडत क्रमांक 43 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 25/10/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — **SP-06 : 2845**

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

बक्षिस										
दुसरे बक्षिस रु. 1000/-	1527	1941	2446	2800	3252	3989	4350	5611	5626	5973
तिसरे बक्षिस रु. 500/-	1150	1278	1349	1355	1373	1630	1711	1815	2912	5419

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

1017	1974	2887	3643	4528
1103	2166	2956	3784	4646
1263	2211	3093	3831	4649
1414	2231	3207	3883	4784
1642	2287	3231	3935	4826
1732	2397	3246	4077	5082
1760	2415	3270	4142	5147
1790	2471	3315	4217	5176
1817	2506	3359	4308	5290
1851	2525	3438	4423	5453
1879	2662	3523	4438	5578
1889	2809	3575	4472	5925

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.50/- — सोडत दिनांक 06-11-2025 — जिंका फक्त 5 अंकांवर — पहिले सामाईक बक्षिस रु. 17 लाख — दुसरे बक्षिस रु. 4 लाख (रु. 10 हजाराची 40 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 5 हजाराची 40 बक्षिसे)

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र सह्याद्री प्रभालक्ष्मी विकली लॉटरी सोडत दिनांक 25/10/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

टीम इंडिया की शानदार जीत से वनडे सीरीज का धमाकेदार अंत

कैनबरा. टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज का अंत एक शानदार और दमदार जीत के साथ किया और इस जीत को ज्यादा खास बनाया टीम के दो सबसे बड़े सितारों ने. सिडनी में खेले गए वनडे सीरीज के आखिरी मैच में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को एकतरफा अंदाज में 9 विकेट से हराया, जिसमें रोहित शर्मा के शानदार और विराट कोहली के दमदार अर्धशतक ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई. दोनों ने मिलकर 168 रन की साझेदारी करते हुए टीम को आसानी से 237 रन के लक्ष्य तक पहुंचाया. वहीं युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके और टीम की जीत की बुनियाद तैयार की.

अंत भला तो सब भला

इस सीरीज की शुरुआत से ही सबसे ज्यादा नजरें विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी पर टिकी थीं. दोनों का हर मैच में प्रदर्शन सबसे ज्यादा चर्चा का विषय था. ऐसे में इस सीरीज के नतीजे से ज्यादा दोनों के बल्ले के चलने या न चलने पर ही सबसे ज्यादा बातें हो रही थीं. यही कारण है कि सीरीज का नतीजा शुरुआती 2 मैच में ही तय होने के बावजूद आखिरी मुकाबले ने फैंस का सबसे ज्यादा एंटरटेनमेंट किया क्योंकि इसमें विराट और रोहित के बल्ले से जमकर रन निकले और हर फैन की ख्वाहिश पूरी हुई. ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की लेकिन फैंस के लिए आखिरी वनडे पैसा वसूल साबित हुआ.

हर्षित ने लगाए ऑस्ट्रेलिया पर ब्रेक

रोहित और कोहली ने महफिल लूटी लेकिन उससे पहले असली कमाल किया हर्षित राणा ने. टीम इंडिया में सेलेक्शन के कारण लगातार आलोचना का सामना कर रहे दिल्ली के इस युवा पेसर ने ऑस्ट्रेलिया के मिडिल ऑर्डर पर अपना कहर बरपाया. हालांकि उससे पहले ट्रेविस हेड (29) और मिचेल मार्श (41) ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दमदार शुरुआत करते हुए 61 रन जोड़े. मोहम्मद सिराज ने इस साझेदारी को तोड़ा, जिसके बाद अक्षर पटेल ने भी सफलता हासिल की. फिर जब मैथ्यू शॉर्ट (30) और मैथ्यू रेनशॉ (56) ऑस्ट्रेलिया की वापसी करवा रहे थे, तभी हर्षित (4/39) और वॉशिंगटन सुंदर (2/44) ने उन्हें लगातार झटके दिए. यहां से पूरी टीम 47 ओवर में ही सिर्फ 237 रन पर ढेर हो गई.

'आरओ-केओ' ने क्लीन स्वीप से रोका

इसके बाद बारी टीम इंडिया की थी और इस बार कप्तान शुभमन गिल ने रोहित के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत दिलाई. दोनों ने 62 गेंदों में 69 रन की तेज साझेदारी कर टीम को दमदार स्थिति में पहुंचाया. गिल (24) के आउट होते ही विराट कोहली क्रीज पर उतरे, जो पिछले दोनों मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे थे. मगर इस बार कोहली ने ऐसा नहीं होने दिया और पहली गेंद पर ही एक रन लेकर इसका जश्न मनाया. यहां से तो इन दोनों दिग्गजों ने पुराने दिनों की याद दिलाते हुए एक बेहतरीन शतकीय साझेदारी कर डाली. जीत के करीब पहुंचकर रोहित ने अपना 33वां और ऑस्ट्रेलिया में छठा वनडे शतक पूरा किया. वहीं कोहली ने 75वां अर्धशतक जमाया. दोनों ने 170 गेंदों में 168 रन की साझेदारी कर सिर्फ 39 ओवर के अंदर टीम को 9 विकेट से जीत दिला दी. रोहित 121 रन (125 गेंद, 13 चौके, 3 छक्के) और कोहली 74 रन (81 गेंद, 7 चौके) बनाकर नाबाद लौटे. दोनों के बीच ये वनडे क्रिकेट में 19वीं शतकीय साझेदारी थी.

रोहित शर्मा ने पूरे किए वनडे करियर में 100 कैच

कैनबरा. रोहित शर्मा ने वनडे करियर में 100 कैच पूरे कर लिए हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे के दौरान रोहित शर्मा ने ये उपलब्धि हासिल की है. रोहित ने 100 कैच जिस तेज रफ्तार से पकड़े हैं, उसके बाद उन्होंने सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़ दिया है. रोहित शर्मा 100 कैच लपकने वाले मौजूदा टीम इंडिया के दूसरे खिलाड़ी हैं. वहीं ओवरऑल ऐसा करने वाले वो सौरव गांगुली के साथ संयुक्त तौर पर छठे भारतीय हैं. दोनों के ही 100-100 कैच हैं. रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे में 2 कैच पकड़े. उन्होंने पहला कैच मिचेल ओवन का हर्षित राणा की गेंद पर पकड़ा और दूसरा कैच उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर नाथन एलिस का लिया. इन दोनों कैचों को लपकते ही रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में अपने 100 कैच भी पूरे कर लिए.रोहित शर्मा ने अपने करियर के 276वें वनडे में 100 कैच लपके. इस दौरान किसी एक मैच में उन्होंने सबसे ज्यादा 3 कैच लिए हैं. वनडे में 100 कैच की उपलब्धि हासिल करने वाले रोहित शर्मा छठे भारतीय हैं. इस मामले में भारतीय रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है, जिन्होंने 164 कैच लपके हैं. विराट कोहली के बाद मोहम्मद अजहरुद्दीन 156 कैच के साथ दूसरे नंबर पर हैं. सचिन तेंदुलकर ने वनडे में 140 कैच लपके हैं. राहुल द्रविड़ के 124 कैच हैं जबकि सुरेश रैना ने 102 कैच पकड़े हैं.रोहित शर्मा और सौरव गांगुली के वनडे में 100-100 कैच हैं. लेकिन उन्होंने इतने कैचों तक पहुंचने का सफर सौरव गांगुली से तेज किया है. उन्होंने गांगुली से कम मैचों में 100 कैच लपके हैं. रोहित के 276 मैच के मुकाबले 100 कैच लपकने के लिए गांगुली ने कुल 311 वनडे खेले हैं.

सिडनी में विराट कोहली का कमाल रनचेज में फिर दिखाया जलवा

कैनबरा. विराट कोहली का रनचेज में जवाब नहीं. सिडनी वनडे में ये बात फिर से एक बार साबित हो गई. और, अपने उसी हुनर की नुमाइश करते हुए विराट कोहली ने ना सिर्फ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया, बल्कि सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. इतना ही नहीं सिडनी में अपने पहले के खराब रिकॉर्ड को थोड़ा दुरुaस्त करते हुए विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली 10 पारियों की नाकामी पर भी ताला जड़ दिया.

विराट ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

पहले दो वनडे में डक पर आउट होने वाले विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले वनडे में अपने करियर का पहला फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया. इसी के साथ वनडे में रनचेज में उन्होंने सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस बनाने का सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया. सचिन तेंदुलकर ने वनडे में रनचेज में 69 फिफ्टी प्लस स्कोर किए थे. जबकि विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अपने वनडे करियर का 70वां फिफ्टी प्लस स्कोर रनचेज करते हुए बनाया.

विराट ने ऑस्ट्रेलिया में इस नाकामी पर लगाया लगाम

सिडनी में अपने वनडे करियर की सबसे बड़ी पारी खेलकर विराट कोहली ने सिर्फ सचिन तेंदुलकर को ही पीछे नहीं छोड़ा है बल्कि ऑस्ट्रेलिया में खेली अपनी पिछली 10 पारियों की नाकामी को दूर किया है. विराट कोहली ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में खेली पिछली 10 पारियों में सिर्फ 90 रन बनाए थे. उन 10 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं था.

सिडनी में विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज का भी पहला फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया. इससे पहले वो सीरीज के पहले दोनों वनडे में खाता भी नहीं खोल सके थे.

लेकिन, सिडनी में वो 84 गेंदों पर 71 रन बनाकर नाबाद रहे. सिडनी में खेली इस पारी के दौरान विराट कोहली ने रोहित शर्मा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 168 रन की नाबाद साझेदारी की.

मैच के बीच श्रेयस अय्यर हुए घायल

कैनबरा. सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम ने आखिरी वनडे मैच में 9 विकेट से जीत दर्ज की. इसके साथ ही शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने सीरीज का अंत 1-2 के साथ किया. जहां इस मैच में रोहित शर्मा के शानदार शतक और विराट कोहली के अर्धशतक ने सारी चर्चा लूटी, वहीं टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी के साथ हादसा भी हो गया, जिसके चलते उसे मैच के बीच ही अस्पताल ले जाना पड़ा. ये घटना हुई भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के साथ, जिन्हें मैच के बीच ही चोट लग गई और फिर उन्हें सिडनी के एक हॉस्पिटल लेकर जाना पड़ा. शनिवार 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का आखिरी मैच खेला गया. इस बार ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग की और उसके बल्लेबाजों ने दमदार शुरुआत की. एक वक्त पर ऑस्ट्रेलियाई टीम 33 ओवर में 180 रन पार कर चुकी थी और उसके 3 विकेट ही गिरे थे. तभी 34वें ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच उछला और यही श्रेयस अय्यर के लिए खतरनाक साबित हुआ. पॉइंट की पोजिशन पर तैनात अय्यर कैच लपकने के लिए पीछे की ओर दौड़े और फिर एक डाइव के साथ ही उन्होंने बेहतरीन अंदाज में ये कैच लपक लिया. मगर डाइव के बाद जब वो मैदान पर गिरे तो उनके पेट के बाईं तरफ चोट लग गई. श्रेयस तुरंत दर्द से परेशान हो गए और जश्न भी नहीं मना सके. टीम इंडिया के फिजियो दौड़ते हुए मैदान पर पहुंचे और उन्होंने अय्यर की जांच की. जब 'मैजिक स्प्रे' से भी दर्द नहीं गया तो अय्यर को मैदान से बाहर ले जाना पड़ा. इसके बाद वो फील्डिंग के लिए नहीं लौटे. फिर टीम इंडिया की बैटिंग के दौरान इस बात को लेकर हर कोई आशंकित था कि क्या अय्यर क्रीज पर उतरेंगे या नहीं.

इसी बीच बीसीसीआई की ओर से सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया गया, जिसने फैंस को परेशान कर दिया. बोर्ड ने अपने बयान में बताया, "श्रेयस अय्यर को फील्डिंग के दौरान बाईं तरफ की पसलियों में चोट लग गई. उन्हें आगे की जांच-पड़ताल के लिए अस्पताल ले जाया गया है." हालांकि बोर्ड की ओर से इसके बाद कोई और बयान नहीं आया, जिससे ये पता नहीं चल सका कि अय्यर की मौजूदा स्थिति क्या है. हालांकि, अय्यर और टीम इंडिया के लिए राहत की बात ये है कि उन्हें फिलहाल कोई सीरीज नहीं खेलनी. वनडे सीरीज खत्म हो चुकी है और टी20 सीरीज में अय्यर टीम का हिस्सा नहीं हैं.

भारतीय मूल की सोनिया रमन ने रचा इतिहास

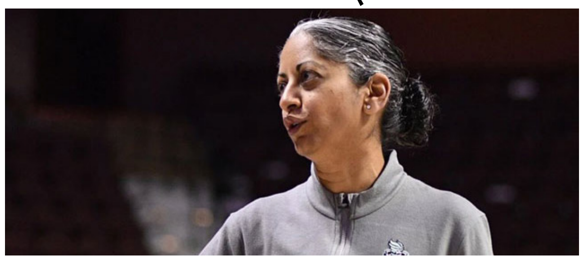

न्यूयॉर्क. भारतीय मूल की सोनिया रमन ने सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनकर डब्लूएनबीए (महिला नेशनल बास्केटबॉल लीग) में नया इतिहास रच दिया है।

वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। इस घटनाक्रम से अवगत एक व्यक्ति ने गोपनीयता की शर्त पर यह जानकारी दी। इसकी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक एनबीए के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह डब्लूएनबीए में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था।

इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है। रमन का कोचिंग करियर एमआईटी से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं। उन्होंने इस स्कूल को दो बार डिवीजन तीन एनसीएए टूर्नामेंट में पहुंचाया और प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल कोच बनी।

ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में भारत का जलवा

नई दिल्ली. भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल टेबल में टॉप स्थान हासिल किया। पैरा ओलिंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते, जबकि सुकांत कदम ने एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल अपने नाम किया। भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते प्रमोद भगत ने पुरुष सिंगल्स के एसएल3 वर्ग के फाइनल में अपने ही साथी खिलाड़ी मनोज सरकार को 21-15, 21-17 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद भगत ने सुकांत कदम के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 वर्ग का खिताब भी अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की जोड़ी को 21-11, 19-21, 21-18 से मात दी। भगत ने जीत के बाद कहा, मैं दो गोल्ड मेडल जीतकर बहुत खुश हूं। मनोज के खिलाफ मुकाबला कड़ा था क्योंकि हम दोनों एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते हैं। भारत के लिए यह शानदार प्रदर्शन है।' प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने एसएल3-एसएल4 के डबल्स का खिताब अपने नाम किया। कदम और सूर्यकांत के बीच रोमांचक फाइनल सुकांत कदम ने पुरुष एकल एसएल4 वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में सूर्यकांत यादव से 21-23, 21-14, 19-21 से करीबी हार का सामना करना पड़ा।

मानसी जोशी ने भी जीते दो गोल्ड जीते भारत की मानसी जोशी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड मेडल अपने नाम किये। उन्होंने महिला सिंगल्स एसएल3 वर्ग में गोल्ड जीता और डबल्स एसएल3-एसयू5 वर्ग में रुथिक रघुपति के साथ मिलकर खिताब पर कब्जा किया। रुथिक ने पुरुष युगल एसयू5 वर्ग में चिराग बरेठा के साथ मिलकर एक और गोल्ड मेडल जीता। मेंस डबल्स में एसएच6 वर्ग में शिवाराजन सोलाईमलाई ने गोल्ड और सुदर्शन मुथुस्वामी ने सिल्वर मेडल हासिल किए। इसके अलावा यशोधन रवनकोले और धीरज सैनी की जोड़ी ने पुरुष युगल एसयू5 वर्ग में गोल्ड जीता। विमेंस सिंगल्स एसएल 4 + एसयू5 वर्ग में सरुमाथी ने ऑस्ट्रेलिया की जाश्का गनसन को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

इंदौर में दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के साथ छेड़छाड़

इंदौर. इंदौर में दो ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों के साथ एक मोटरसाइकिल सवार ने छेड़खानी की और उन्हें "अनुचित तरीके से छुआ।" ऑस्ट्रेलियाई टीम महिला विश्व कप का अपना आख़िरी लीग मैच खेलने के लिए फ़िलहाल इंदौर में है, जहां वे शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ़ उतरेंगे। यह घटना गुरुवार सुबह घटित हुई, जब दोनों खिलाड़ी एक कैफ़े की ओर पैदल जा रही थीं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एक बयान जारी करते हुए कहा, "सीए पुष्टि कर सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की दो सदस्यों के पास एक मोटरसाइकिल सवार आया और उन्हें अनुचित तरीके से छुआ। इस मामले को टीम की सुरक्षा दल द्वारा पुलिस को बताया गया है और अब वे इसकी जांच कर रहे हैं।"

विराट कोहली ने रनचेज में तोड़ा सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड

कैनबरा. विराट कोहली का रनचेज में जवाब नहीं. सिडनी वनडे में ये बात फिर से एक बार साबित हो गई. और, अपने उसी हुनर की नुमाइश करते हुए विराट कोहली ने ना सिर्फ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया, बल्कि सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. इतना ही नहीं सिडनी में अपने पहले के खराब रिकॉर्ड को थोड़ा दुरुस्त करते हुए विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली 10 पारियों की नाकामी पर भी ताला जड़ दिया.पहले दो वनडे में डक पर आउट होने वाले विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले वनडे में अपने करियर का पहला फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया. इसी के साथ वनडे में रनचेज में उन्होंने सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस बनाने का सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया. सचिन तेंदुलकर ने वनडे में रनचेज में 69 फिफ्टी प्लस स्कोर किए थे. जबकि विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अपने वनडे करियर का 70वां फिफ्टी प्लस स्कोर रनचेज करते हुए बनाया.सिडनी में अपने वनडे करियर की सबसे बड़ी पारी खेलकर विराट कोहली ने सिर्फ सचिन तेंदुलकर को ही पीछे नहीं छोड़ा है बल्कि ऑस्ट्रेलिया में खेली अपनी पिछली 10 पारियों की नाकामी को दूर किया है. विराट कोहली ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में खेली पिछली 10 पारियों में सिर्फ 90 रन बनाए थे. उन 10 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं था.सिडनी में विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज का भी पहला फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया.

सिडनी में हर्षित राणा का जलवा, गेंद से मचाई खलबली

कैनबरा. ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले हर्षित राणा के टीम में सेलेक्शन पर काफी सवाल उठे थे. लेकिन, जब टीम इंडिया के राणा जी ने जवाब देने शुरू किए तो आलोचकों के मुंह पर तो ताले पड़े ही, सिडनी में जोरदार आगाज के बाद ऑस्ट्रेलिया एक बेहतर अंजाम को भी तरस गया. हर्षित राणा ने गेंद से खलबली मचा दी. सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने हुनर का ऐसा असर छोड़ा कि करियर का बेस्ट प्रदर्शन ही कर डाला. और, ऐसा कर कप्तान और खास कर टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के भरोसे पर भी खरे उतरे.

सिडनी में हर्षित राणा ने मचाई सनसनी

हर्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे में अपने कोटे के पूरे 10 ओवर भी नहीं डाले. उन्होंने 8.4 ओवर ही गेंदबाजी की और उसमें 39 रन देकर 4 विकेट झटके. हर्षित राणा ने एलेक्स कैरी, मिच ओवन, कूपर कोनोली और जॉश हेजलवुड के विकेट लिए.

हर्षित राणा ने किया करियर बेस्ट प्रदर्शन

हर्षित राणा ने इसी साल फरवरी ने वनडे डेब्यू किया है. सिडनी में खेला मुकाबला उनके करियर का 8वां वनडे है,

जिसमें 4 विकेट लेकर उन्होंने अपना बेस्ट प्रदर्शन किया. इससे पहले वनडे में राणा का बेस्ट प्रदर्शन 31 रन पर 3 विकेट लेने का था. मतलब अपने वनडे करियर में पहली बार किसी मैच में उन्होंने 4 विकेट झटके हैं.

सिडनी में 4 विकेट लेने के बाद हर्षित राणा के वनडे करियर में अब कुल 16 विकेट हो गए हैं. इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज का अंत उन्होंने 3 मैचों में 6 विकेट लेकर किया है. सिडनी में तीसरे वनडे से पहले हर्षित राणा के पहले दो वनडे में सिर्फ 2 विकेट थे.

गौतम गंभीर खुश हुए!

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने हर्षित राणा को 23 साल का बच्चा बताया था और ये अपील की थी, उन्हें अकेला छोड़ दें.

अब जब सिडनी में गंभीर ने अपनी आंखों के सामने हर्षित राणा को गेंद से कहर बरपाते हुए, वनडे करियर में पहली बार उन्हें 4 विकेट लेते हुए देखा होगा, तो जाहिर सी बात है खुश तो बहुत हुए होंगे.

जबलपुर पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

> अखिल भारतीय बैठक में होंगे शामिल

जबलपुर.

मध्यप्रदेश के जबलपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की महत्वपूर्ण वार्षिक बैठक आयोजित होने जा रही है. यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चलेगा. इस बीच शनिवार सुबह संघ प्रमुख मोहन भागवत जबलपुर पहुंचे. भागवत के अलावा कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे. जबलपुर में आयोजित हो रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत शामिल होंगे. विजयनगर क्षेत्र में होने जा रही ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है. बताया जा रहा है कि मोहन भागवत सहित 46 प्रांतों के प्रतिनिधि इस बैठक में संगठन की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे.

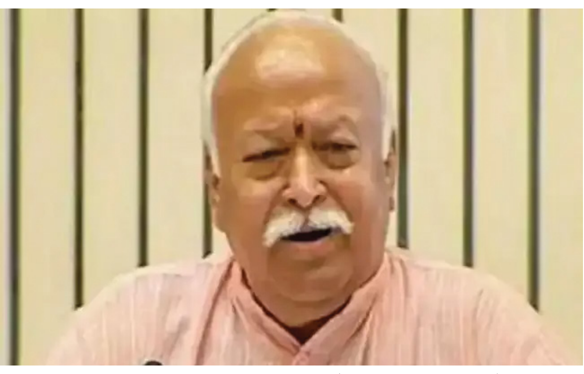

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक जबलपुर में रहेंगे. यह पहला मौका है जब भागवत जबलपुर में लगातार 8 दिन तक रुकेंगे. इस दौरान वो संघ के पदाधिकारी स्थानीय कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे.

आरएसएस की राष्ट्रीय बैठक 28 अक्टूबर से 1 नवंबर 2025 तक चलेगी.बैठक को लेकर तमाम तरह की तैयारियां की जा रही हैं. कार्यक्रम को लेकर शहर में यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है. ताकि आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो.

इस कार्यक्रम की शुरुआत 28 अक्टूबर से होगी. बताया जा रहा है कि सबसे पहले अखिल भारतीय अधिकारी, क्षेत्र कार्यवाहक एवं प्रचारक अपनी बैठक करेंगे. 29 अक्टूबर को प्रांत स्तर के कार्यवाहक और प्रचारकों का सत्र चलेगा, उसके बाद मुख्य तीन दिवसीय बैठक आरंभ होगी. झारखंड समेत सभी प्रांतों से प्रतिनिधिमंडल बैठक में शामिल होंगे. वहीं स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर स्वयंसेवक भी जुटेंगे.

पहले दिन यानी 28 अक्टूबर को सभी अखिल भारतीय अधिकारी, क्षेत्र कार्यवाह और क्षेत्र प्रचारक भाग लेंगे. दूसरे दिन 29 अक्टूबर को प्रांत कार्यवाह, प्रांत प्रचारक और क्षेत्र प्रचारक प्रमुख चर्चा में शामिल होंगे. वहीं आखिरी दिन 30 अक्टूबर को बैठक के निष्कर्षों और आगामी कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा.

बैठक में संघ के 46 प्रांतों से प्रतिनिधि शामिल होंगे

इस अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में संघ के 46 प्रांतों से प्रतिनिधि शामिल होंगे. आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह-सरकार्यवाह, अखिल भारतीय अधिकारी, क्षेत्र एवं प्रांत स्तर के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक और समविचारी संगठनों के प्रमुख नेता उपस्थित रहेंगे.

शताब्दी समारोह की समीक्षा पर चर्चा

आयोजन संघ की संगठनात्मक गतिविधियों, रणनीतियों और भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श का प्रमुख मंच साबित होगा. इस आयोजन में आरएसएस के 101वें वर्ष में प्रवेश के बाद शताब्दी समारोह की समीक्षा पर चर्चा की जाएगी. साथ ही अक्टूबर 2026 तक की 'पंच परिवर्तन' जैसी पहलों पर चर्चा होगी. विशेष रूप से विजयादशमी संबोधन, शताब्दी वर्ष के राष्ट्रीय आयोजनों की पड़ताल और अक्टूबर 2026 तक की 'पंच परिवर्तन' जैसी पहलों पर चर्चा की जाएगी.

गुल ए लाला के बाद अब कश्मीर में गुल ए दाऊद

खिलेंगे 30 लाख फूल

श्रीनगर.

श्रीनगर में स्थित ज़बरवन वन क्षेत्र के दामन में स्थित, यह हैं पांच हेक्टेयर भूमि में फैला हुआ बाग ए गुल ए दाऊद जिसे अंग्रेजी भाषा में क्रिसेंथेमम्स गार्डन नाम दिया गया है. ऐसा माना जाता है कि कई दशक पहले चीन से कश्मीर में लाए गए गुलदाउदी के फूल या गुल-ए-दाऊद घाटी में ट्यूलिप गार्डन की सफलता की कहानी को दोहराने के लिए पूरी तरह सही मिसाल बनेंगे. यहां 30 लाख फूलों का मनमोहक खिलना कठोर सर्दियों के आने तक फैला रहेगा. यानि नवंबर महीने के अंत तक यहां के लोग और विशेषकर कश्मीर घूमने आरहे पर्यटक इसको देख पाएंगे.

जम्मू कश्मीर फ्लोरिकल्चर डायरेक्टर कश्मीर, मथुरा मासूम के अनुसार, भले ही ट्यूलिप गार्डन ने बहार के मौसम में देश भर से पर्यटकों को कश्मीर की ओर आकर्षित किया है. पर थीम पार्क, बाग-ए-गुल-ए-दाऊद या गुलदाउदी गार्डन, शरद मौसम के चरम पर पर्यटकों को चटख रंगों से सराबोर करेगा जबकि इस मौसम में कश्मीर में फूल मुरझा जाते हैं और पर्यटकों के पास कम विकल्प होते हैं.

मथुरा मासूम के अनुसार, इस बाग में 50 से ज़्यादा गुलदाउदी की किस्में होंगी और इस मौसम में 30 लाख से ज़्यादा फूल खिलने की उम्मीद है. यहां इन फूलों की व्याख्या के लिए पेड़ों पर क्यूआर कोड भी लगाए गए हैं, जिनको स्कैन कर इस गुले दाउद के बारे में और इसकी विशेष किस्म के बारे में पता लगाया जा सकता हैं. आज जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह ने इस बाग ए गुल ए दाऊद का उद्घाटन किया और उम्मीद जताई कि यह बाग भी पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करेगा. मथुरा मासूम ने अधिक कहा कि वह पतझड़ (झाड़ू) की शुरुआत से लेकर नवंबर के तीसरे सप्ताह तक रंगों की शानदार छटा बिखेरने की उम्मीद करते हैं. वह अगले साल इस बाग का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं.

हर रोज 4 लोगों को फांसी

खोमेनेई सरकार पर उठे सवाल

तेहरान.

ईरान में इस समय सजा-ए-मौत को लेकर लोगों का गुस्सा फूटा है. खोमेनेई के खिलाफ ही देश में विरोध की आग सुलग रही है. दरअसल, तेहरान में मौत की सजा सुननाने की संख्या बढ़ती जा रही है. जिसको लेकर अब 800 ईरानी कार्यकर्ताओं, जिनमें राजनीतिक कैदी भी शामिल हैं, ने शुक्रवार को इसीक निंदा करते हुए इसे दमन का उपकरण कहा. ईरान में सिर्फ अक्तूबर के महीने में ही मानवाधिकार समूहों ने 280 लोगों को फांसी दी है. एक संयुक्त बयान में विभिन्न विचारधाराओं के नागरिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने देश की आलोचना करते हुए कहा कि उसने फांसी को नियंत्रण और दमन का साधन बना दिया है.

ईरान ह्यूमन राइट्स सोसाइटी ने बुधवार को बताया कि 22 अक्टूबर को देशभर में 28 कैदियों को फांसी दी गई, जिससे अक्टूबर महीने में कुल फांसीयों की संख्या 280 तक पहुंच गई. संस्था ने अक्टूबर को 1988 की सामूहिक फांसीयों के बाद कैदियों के लिए सबसे खूनी महीना बताया. रिपोर्ट में कहा गया कि ज्यादातर मौतें नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों या हत्या के मामलों से जुड़ी थीं, जिनमें कई अफगान नागरिक भी शामिल थे. कई बार फांसी परिवारों को सूचित किए बिना या अंतिम मुलाकात की अनुमति दिए बिना दी गई. शुक्रवार को जारी एक बयान, जिस पर कई राजनीतिक कैदियों ने हस्ताक्षर किए, में फांसी की इस लहर को खासकर तेहरान के पश्चिम में स्थित गॉजल हेसार जेल में न्यायपालिका के नैतिक और कानूनी पतन और मानव गरिमा के प्रति खुले अपमान का प्रमाण बताया गया. हस्ताक्षरकर्ताओं ने गॉजल हेसार जेल के राजनीतिक कैदियों की ओर से शुरू किए गए ट्यूज़डेज़ अगेंस्ट एग्ज़िक्यूशन्स अभियान की सराहना की, जो एक साल से अधिक समय से चल रहा है. इस अभयिान में कैदी फांसी की सजा का हर हफ्ते भूख हड़ताल के जरिए विरोध करते हैं. ईरानी अखबार शरग में प्रकाशित एक समीक्षा के अनुसार, 2011 से 2023 के बीच ईरान में कम से कम 88 सार्वजनिक फांसी दी गईं. रिपोर्ट में कहा गया कि यह प्रथा जिसे अक्सर बच्चों सहित बड़ी भीड़ देखती है. हाल के वर्षों में घटने के बावजूद हिंसक अपराधों को कम करने में विफल रही है.

चक्रवाती तूफान का कहर

> कई राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली.

राज्य समेत देश के कई राज्यों में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश हुई है। मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, शनिवार को भी गोवा, महाराष्ट्र के कुछ हिस्से, गुजरात , मध्य प्रदेश, विदर्भ, अंडमान और निकोबार आइलैंड्स और छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश हो सकती है। इस दौरान 40-50 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान में कहा गया है कि 28-30 तारीख के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, सिक्किम में गरज के साथ बारिश हो सकती है। 29 और 30 अक्टूबर को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण-पूर्व और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है। यह प्रणाली 27 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से सोमवार से तीन दिन तक ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने शनिवार और रविवार को 21 जिलों में और सोमवार को पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

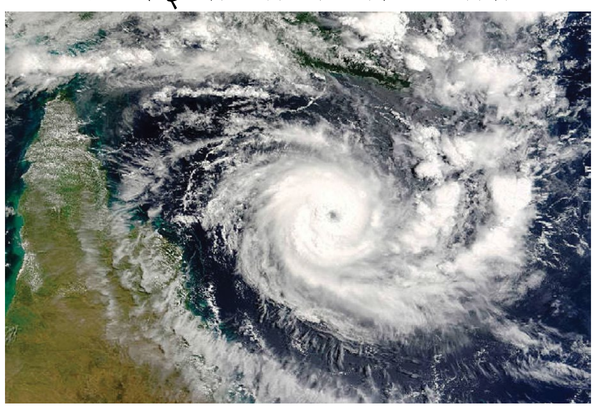

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस तूफान के कारण 28 से 30 अक्टूबर के बीच दक्षिण बंगाल के जिलों उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्वी और पश्चिमी मेदिनीपुर, झारग्राम और हावड़ा में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 28 अक्टूबर को कोलकाता और आसपास के हुगली जिले मेंबिजली कड़कने के साथ तूफान आने की संभावना है।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, दक्षिण दिनाजपुर और मालदा जिलों में भी 29 से 30 अक्टूबर के बीच भारी बारिश होने की संभावना है।

जापान के होक्काइडो में भूकंप

> रिक्टर स्केल तीव्रता 5.7

टोक्यो.

जापान के होक्काइडो में शनिवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) के अनुसार शनिवार को जापान के सबसे उत्तरी द्वीप होक्काइडो में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। जीएफजेड ने बताया कि भूकंप 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर आया। हालांकि, खबर लिखे जाने तक इस भूकंप के चलते किसी प्रकार के नुकसान, चोट या सुनामी की चेतावनी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

होक्काइदो जापान का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है और जापान के प्रान्तों में से सबसे बड़ा तथा सबसे उत्तरी प्रांत है। यह होन्शू द्वीप से उत्तर में है और इन दोनों के बीच त्सुगारू जलडमरू का समुद्री क्षेत्र आता है। जापान भूकंप के लिए संवेदनशील क्षेत्र है। इस वजह से जापान ने भूकंप से निपटने के लिए उन्नत तकनीक और सख्त बिल्डिंग कोड विकसित किए हैं, जैसे भूकंप-रोधी इमारतें और अलर्ट सिस्टम, जो नुकसान को कम करते हैं।

जापान टेक्टोनिक प्लेट्स के जंक्शन पर स्थित है, जिसे रिंग ऑफ फायर के नाम से जाना जाता है। इसी वजह से यहां बार-बार भूकंप आते हैं। जापान चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेट्स (पैसिफिक प्लेट, फिलीपींस सी प्लेट, यूरेशियन प्लेट, और नॉर्थ अमेरिकन प्लेट) के मिलन बिंदु पर है। इन प्लेट्स के आपस में टकराने, खिसकने या एक-दूसरे के नीचे सरकने (सबडक्शन) से पृथ्वी की सतह में कंपन होता है, जिससे भूकंप आते हैं। जापान प्रशांत महासागर के आसपास के इस क्षेत्र में है, जो दुनिया का सबसे भूकंप-प्रवण और ज्वालामुखी सक्रिय क्षेत्र है। यहां लगातार भूगर्भीय हलचल होती रहती है।

इसके अलावा पैसिफिक और फिलीपींस सी प्लेट्स यूरेशियन प्लेट के नीचे सरकती हैं, जिससे भारी दबाव और ऊर्जा का निर्माण होता है। यह ऊर्जा जब रिलीज होती है, तो भूकंप का कारण बनती है।

प्रसाद खाने से महिला की मौत, 12 लोग बीमार

हाथरस.

यूपी के हाथरस से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां मंदिर में प्रसाद खाने से एक महिला की मौत हो गई है और 12 लोग बीमार हो गए हैं। इस घटना के सामन आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के माधुरी गांव का है।

माधुरी गांव में कथित तौर पर मंदिर पर चढ़ाए गए प्रसाद को खाने से एक महिला की जान चली गई है और 12 लोग बीमार हैं, जिसमें बच्चे भी शामिल हैं। खुद पुलिस ने शनिवार को इस मामले की जानकारी दी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ग्रामीणों ने माधुरी गांव के किनारे स्थित एक देवी मंदिर में मिठाइयों के डिब्बे रखे थे। त्यौहारों की वजह से मिठाई के इन डिब्बों को रखा गया था। लेकिन जैसे ही लोगों ने मिठाई खाई तो लगभग 12 से 15 लोगों को पेट में तेज दर्द, उल्टी और दस्त होने लगे।

पुलिस का कहना है कि पीड़ितों में से एक मुन्नी देवी (55) की शनिवार सुबह मौत हो गई। अन्य बीमार लोगों को आगरा के एस.एन.मेडिकल कॉलेज और सिकंदराराऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया है।सिकंदराराऊ के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) जे एन अस्थाना ने बताया, "माधुरी गांव में मंदिर पर प्रसाद चढ़ाया गया था।

अस्थाना ने बताया कि संभवतः खराब प्रसाद के कारण खाद्य विषाक्तता होने से ग्रामीण बीमार पड़ गए।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मंदिर में चढ़ाई गई मिठाइयां खराब हो गई थीं, जिससे खाद्य विषाक्तता हुई और एक महिला की मौत हो गई और लगभग एक दर्जन अन्य का इलाज चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

क्या फिर दिखेगी ट्रंप–किम की दोस्ती?

वाशिंगटन.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एशिया यात्रा पर निकले हैं. उन्होंने इस दौरान उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन से मिलने की इच्छा जताई है. एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि, मैं मिलना चाहूंगा. अगर आप संदेश फैलाना चाहते हैं, तो मैं इसके लिए तैयार हूं. उन्होंने यह भी जोड़ा कि उनका किम के साथ बहुत अच्छा रिश्ता रहा है. ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान इतिहास रचा था, जब 2019 में वे उत्तर कोरिया में जाकर बैठकों में शामिल हुए थे. इस दौरान दोनों नेताओं ने तीन बार आमने-सामने मुलाकात की थी, लेकिन परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर कोई ठोस समझौता नहीं हो पाया था.

किम जोंग उन ने हाल ही में कहा कि वे ट्रंप से फिर मिलना चाहेंगे, बशर्ते अमेरिका उत्तर कोरिया से असामान्य परमाणु हथियार छोड़ने की मांग न करे. किम ने कहा, मुझे अभी भी राष्ट्रपति ट्रम्प की अच्छी यादें हैं. साउथ कोरिया के यूनिफिकेशन मिनिस्टर चुंग डोंग-यंग ने बताया कि एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग फोरम के दौरान ट्रम्प और किम की मुलाकात की काफी संभावना है.

अगर ये मुलाकात होती है, तो यह उनकी पिछली मुलाकात के छह साल बाद पहली आमने-सामने की बैठक होगी, जो जून 2019 में इंटर-कॉरियन ट्रूस विलेज में हुई थी. हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल ट्रंप के कार्यक्रम में ऐसी कोई आधिकारिक बैठक तय नहीं है.

ट्रंप का पहली ठहराव मलेशिया में एएसएयेन समिट में होगा. इसके बाद वे साउथ कोरिया के शहर बुसान पहुंचेंगे, जहां एपीईसी सम्मेलन होगा. यहां वे साउथ कोरियाई राष्ट्रपति ली जे-म्योंग से भी मुलाकात करेंगे. ट्रंप की यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात भी शामिल है. हाल ही में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के बाद दोनों देशों ने बड़े टैरिफ रोकने का फैसला किया था. लेकिन हाल के समय में ट्रम्प ने चीन की दुर्लभ खनिजों (रेयरअर्थ) पर प्रतिबंधों के कारण 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी है.

यूपी बन रहा देश का नया प्रॉसेसिंग हब

लखनऊ.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को औद्योगिक शक्ल दे रहा है. राज्य तेजी से भारत का फूड प्रोसेसिंग हब बनकर उभर रहा है. ग्लोबल ट्रेड रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में गुजरात और उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख प्रोसेसिंग केंद्रों के रूप में रेखांकित किया गया है. रिपोर्ट के अनुसार, आपूर्ति पक्ष पर जहां गुजरात के मेहसाणा और बनासकांठा में आधुनिक डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) संयंत्र विकसित हुए हैं. उत्तर प्रदेश के आगरा और फर्रूखाबाद जिलों में नए अत्याधुनिक प्रोसेसिंग प्लांट्स स्थापित हो रहे हैं. इन संयंत्रों को कांट्रैक्ट फार्मिंग और कोल्ड स्टोरेज नेटवर्क का मजबूत आधार प्राप्त है, जिससे किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिल रहा है. राज्य में फिलहाल 65,000 से अधिक फूड प्रोसेसिंग इकाइयां संचालित हैं, जिनसे करीब 2.55 लाख युवाओं को रोजगार मिला है. सरकार का लक्ष्य हर जिले में कम से कम 1,000 नई प्रोसेसिंग यूनिट्स स्थापित करना है, जिससे खेती को मूल्य संवर्धन और रोजगार दोनों के अवसर मिलेंगे. योगी सरकार ने अब तक 15 से अधिक एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग पार्क विकसित किए हैं, जिनमें बरेली, बाराबंकी, वाराणसी और गोरखपुर प्रमुख हैं. बरेली में बीएल एग्रो द्वारा करीब 1,660 करोड़ की इंटीग्रेटेड एग्रो प्रोसेसिंग हब की स्थापना प्रस्तावित है, जिसमें चावल मिलिंग, तेल निष्कर्षण और पैकेजिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी.

उत्तर प्रदेश सरकार का विशेष फोकस अब फल-सब्जी प्रसंस्करण, हाई-वैल्यू क्रॉप्स और निर्यात-उन्मुख उद्योगों पर है, ताकि राज्य की कृषि उत्पादकता वैश्विक बाजार से सीधे जुड़ सके. इसी दिशा में आगरा में इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की योजना बनाई गई है, जहां आलू और अन्य ट्यूबर फसलों पर अत्याधुनिक अनुसंधान होगा.

जंगलराज नहीं लौटेगा

राहुल–तेजस्वी पर अमित शाह का निशाना

पटना.

बिहार विधानसभा चुनाव के बीच सियासी घमासान के साथ जुबानी जंग भी शुरू हो गई है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को खगड़िया रैली को संबोधित करते हुए इंडिया गठबंधन पर जमकर हमला बोला है. उन्होंने अपने संबोधन के दौरान सोनिया, मनमोहन, लालू, राहुल और तेजस्वी पर निशाना साधा है. अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव तय करेगा कि बिहार में जंगलराज आएगा या फिर राज्य विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा. उन्होंने कहा कि बिहार नीतीश सरकार के राज में विकास के नए आयाम बना रहा है. आज बिहार तेजी से विकसित होने वाला राज्य है. नीतीश कुमार के राज में बिहार में बहुत विकास हुआ. बिहार में पिछले करीब 20 साल से एनडीए की सरकार है, लेकिन कोई भी 4 आने भ्रष्टाचार का आरोप भी नहीं लगा सकता. गृह मंत्री अमित शाह ने अपने भाषण के दौरान एक बार फिर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल बाबा बिहार में घुसपैठियों से बचाने आए थे. उन्होंने जनसभा में मौजूद लोगों से पूछा कि मुझे बताएं घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने चाहिए या नहीं? उन्होंने लोगों से कहा कि फिर से एनडीए सरकार बनाएं. मैं आपसे वादा करता हूं कि हम बिहार से हर एक घुसपैठिए को निकाल देंगे.

अमित शाह ने आगे कहा यूपीए सरकार के दौरान, पाकिस्तान ने हर दिन हमला करता था. वोट बैंक के लालच में, सोनिया, मनमोहन और लालू सरकार चुप रही. मोदी के सत्ता में आने के बाद, तीन हमले किए गए- उरी, पुलवामा और पहलगाम. भारत द्वारा इसके जवाब में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की गई और पहलगाम के बाद ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया. मोदी ने भारत को सुरक्षित करने के लिए काम किया है. उन्होंने भारत को समृद्ध बनाने के लिए काम किया है।'

अमित शाह ने कहा कि बिहार में 20 साल से नीतीश कुमार की सरकार है. इस सरकार में एक जघन्य नरसंहार नहीं हुआ है और लालू राज में यह सब रोज की बात थी. इसी डर से बिहार से इंडस्ट्री चली गई. बिहार को पिछड़ा बिहार बनाने में लालू एंड कंपनी का योगदान है. एनडीए सरकार आने के बाद से बिहार का विकास हुआ है. हमने बिहार बिहार को नक्सलवाद से मुक्त किया है.

100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली

गृह मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी हमारे देश की अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान से चौथे स्थान पर ले आए हैं. हम 2027 से पहले चौथे से तीसरे स्थान पर आ जाएंगे. पीएम मोदी ने हमारे देश को सुरक्षित बनाया है. उन्होंने कहा कि अब में आप लोगों से पूछना चाहता हूं बिहार को जंगलराज चाहिए या विकास चाहिए? विकास चाहिए तो एनडीए प्रत्याशी को वोट करना है. उन्होंने कहा कि लालू के राज में बिहार में कानून की हालत खराब थी. एनडीए ने कानून को मजबूत बनाया है.

थाईलैंड की पूर्व रानी का 93 साल की उम्र में निधन

बैंकॉक.थाईलैंड की पूर्व क्वीन सिरिकित, जो वर्तमान राजा वजिरालोंगकोर्न की मां और देश के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले सम्राट की पत्नी थीं, उनका शुक्रवार देर रात 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. राजा भूमिबोल अदुल्यादेज के साथ रानी सिरिकित का विवाह 66 वर्षों तक चला, जो अपने आप में एक मिसाल है. इस लंबे वैवाहिक जीवन के दौरान उन्होंने न सिर्फ एक समर्पित पत्नी की भूमिका निभाई, बल्कि पूरे थाईलैंड में एक मजबूत और दयालु मदर फिगर के रूप में अपनी पहचान बनाई. क्वीन सिरिकित ने फैशन की दुनिया में भी पहचान बनाई. उनके फैशन और स्टाइल की सिर्फ थाईलैंड ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में उनकी चर्चा होती थी. कई पश्चिमी पत्रिकाओं ने उन्हें अपने कवर पेज पर जगह दी और उनकी तुलना अमेरिका की पूर्व फर्स्ट लेडी जैकी केनेडी से की, जो अपने फैशन और गरिमा के लिए जानी जाती थीं. महल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, महामहिम की तबीयत शुक्रवार तक लगातार बिगड़ती रही और रात 9 बजकर 21 मिनट पर उनका निधन हो गया. वो 93 वर्ष की थीं और चुलालोंगकोर्न अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, लेकिन उनको बचाया नहीं जा सका. बयान में यह भी बताया गया कि क्वीन सिरिकित 2019 से अस्पताल में भर्ती थीं और इस दौरान उन्हें कई बीमारियों ने घेर लिया था.

जंग का नया फ्रंट तैयार कर रहे ट्रंप?

काराकस.

वेनेज़ुएला और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह धमकी कि वे वेनेज़ुएला में जल्द ही जमीनी कार्रवाई कर सकते हैं, अब हकीकत बनती दिख रही है. दरअसल, ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड को कैरिबियन सागर में तैनात कर दिया है.

वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने इस तैनाती पर सीधे आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि अमेरिका नई जंग रचने की कोशिश कर रहा है. मादुरो का कहना है कि उन्होंने वादा किया था कि फिर कभी जंग में नहीं उतरेंगे, लेकिन अब वे एक जंग बना रहे हैं.

इस जहाज में 90 विमान ले जाने की क्षमता है और इसे भेजना अमेरिका की क्षेत्र में असामान्य सैन्य ताकत दिखाने की रणनीति माना जा रहा है. 2017 में कमीशन किया गया यह न्यूक्लियर पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर लगभग 1,100 फीट लंबा है. यूएस नेवी के अनुसार इसका वजन 1 लाख टन के करीब है और यह 34.5 मील प्रति घंटे की रफ्तार तक जा सकता है.

अमेरिका का कहना है कि यह तैनाती नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और अंतरराष्ट्रीय अपराधियों पर कार्रवाई के लिए है.पेंटागन ने बताया कि इस कदम से अमेरिका की मौजूदा क्षमताओं में इज़ाफ़ा होगा, ताकि ड्रग्स की तस्करी को बाधित किया जा सके. लेकिन कई विशेषज्ञ इसे वेनेज़ुएला में तख्तापलट की तैयारी मान रहे हैं. सितंबर की शुरुआत से अमेरिका ने कम से कम 10 हवाई हमले किए हैं, जिनमें तस्करी के आरोप में नावों को निशाना बनाया गया. इन हमलों में 43 लोगों की मौत हुई है. हालांकि, अमेरिका के ये हमले कानूनी रूप से विवादित हैं. अमेरिकी कांग्रेस के कई सदस्यों ने सवाल उठाया कि क्या राष्ट्रपति को बिना मंजूरी हवाई हमले करने का अधिकार है. अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप वेनेज़ुएला में ड्रग फैक्ट्रियों और तस्करी मार्गों को निशाना बनाने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अंतिम निर्णय अभी लिया जाना बाकी है.